● वर्ष-2
● अंक-234
रायपुर, मंगलवार
23 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पंच मंत्र से सत्ता के लिए कांग्रेस निकालेगी रास्ता

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की अगले हफ्ते एक बड़ी बैठक होने वाली है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाली इस बैठक में पार्टी कुछ बड़े फेरबदल का पूरा प्लान तैयार कर उसे अमल में ले आएगी। इसके अलावा इस बैठक में लोकसभा चुनावों की बजाय विधानसभा के चुनावों पर फोकस करने के लिए नेताओं को तैयारियों के साथ आने को कहा गया है। जानकारों के मुताबिक बैठक में कर्नाटक के चुनावी घोषणापत्र के उन पांच मुद्दों को सामने रखकर आगे की रणनीति बनाई जानी है। जिससे विधानसभा के चुनावों में जैसे ही नतीजे मिल सकें। पार्टी से जुड़े सूत्रों के अगले विधानसभा के चुनाव से पहले पार्टी में व्यापक स्तर पर नई योजनाओं को बनाने के लिए अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारियां दी गई हैं। ऐसी ही एक जिम्मेदारी निभाने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेता बताते हैं कि जल्द होने वाली इस बैठक में सबसे बड़ा मुद्दा कर्नाटक में चुनावी घोषणा पत्र को आने वाले विधानसभा के सभी चुनावों में लागू किए जाने का है। वह कहते हैं कि हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाली जैसे मुद्दे पर न सिर्फ सत्ता में आई, बल्कि कर्नाटक के चुनाव में भी सत्ता में वापसी की है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता बताते हैं कि पार्टी अब आने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में अब उन पांच घोषणाओं के साथ ही आने वाले विधानसभा के चुनाव में उतरेगी। इसमें फ्री बिजली, परिवार की महिला मुखिया को मासिक सहायता, मुफ्त में राशन, बसों में महिलाओं को फ्री यात्रा और बेरोजगारों का मुद्दा का शामिल है।

मौसम ने ली 1.3 लाख भारतीयों की जान

संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। दुनियाभर में गर्मी की तपन दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। वैश्विक तपन और जलवायु परिवर्तन को लेकर दुनियाभर में बहस भी लंबे समय से चल रही है। कुछ देश इस मुद्दे पर साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं तो कुछ इसकी चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए अपने यहां अंधाधुंध औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। इस बीच, सामने आया है कि 1970 से 2021 के बीच पचास सालों में भारत में गंभीर मौसमी दशाओं, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं के कारण 1.3 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी रिपोर्ट नें यह दावा किया है।

खराब मौसमी दशाओं और प्राकृतिक आपदाओं से भारत में मारे गए 1.3 लाख लोग

यूएन की विशेष एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इन सालों में खराब मौसम, जलवायु और जल संबंधी घटनाओं के कारण भारत को 573 आपदाओं का सामना करना पड़ा है। इन आपदाओं में 1,38,377 लोगों की जान गई है। साथ ही 5 से 12 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारत की जलवायु पर जो वार्षिक वक्तव्य जारी किया था उसमें विभाग ने बताया था कि 2022 में चरम मौसम की घटनाओं के कारण देश में 2,227 लोग हताहत हुए थे।

वैश्विक स्तर पर 20 लाख लोगों की हुई मौत

वहीं, वैश्विक स्तर पर 11,778 आपदा की घटनाएं इस समयावधि में दर्ज की गईं। साथ ही वैश्विक स्तर पर इस अवधि के दौरान 20 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हुई और 4.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दुनिया भर में रिपोर्ट की गई मौतों में से 90 प्रतिशत से अधिक विकासशील देशों में हुई हैं।

WMO विश्व मौसम विज्ञान कांग्रेस में जारी किए गए आंकड़े

WMO ने हर चार साल में होने वाले विश्व मौसम विज्ञान कांग्रेस में यह आंकड़े जारी किए हैं। विश्व मौसम विज्ञान कांग्रेस सोमवार को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में शुरू हुआ है। इसमें 2027 के अंत तक पृथ्वी पर सभी लोगों तक शुरुआती वार्निंग सिस्टम सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई में तेजी लाने और बढ़ाने पर उच्च स्तरीय वार्ता की गई। गौरतलब है कि यूनाइटेड नेशंस अर्ली वार्निंग्स फॉर ऑल इनिशिएटिव विश्व मौसम विज्ञान कांग्रेस की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था द्वारा समर्थित है।

अफ्रीका में आया उष्णकटिबंधीय चक्रवात इडाई सबसे भयानक घटना

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च 2019 में उष्णकटिबंधीय चक्रवात इडाई अफ्रीका (2.1 बिलियन अमरीकी डालर) में हुई घटना सबसे भयानक थी। डब्ल्यूएमओ के महासचिव प्रोफेसर पेटेरी तालस ने कहा कि समाज के सबसे कमजोर समुदाय के लोग खराब मौसमी दशाओं, जलवायु परिवर्तन और पानी से संबंधित खतरों का खामियाजा भुगतते हैं।

जलवायु परिवर्तन ने बढ़ाई वातावरण में अस्थिरता

बता दें कि जलवायु परिवर्तन ने वातावरण में अस्थिरता को बढ़ा दिया है। इसके कारण आंधी, बिजली और भारी बारिश की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। मौसम विज्ञानियों ने यह भी दावा किया है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में चक्रवाती तूफान भी और तीव्र हो रहे हैं। साथ ही ये लंबी अवधि के लिए अपनी भयावहता बनाए रख रहे हैं।

35,000 से ज्यादा प्रजातियों पर संकट

बढ़ते तापमान की वजह से 35 हजार से ज्यादा प्रजातियों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्युशन जर्नल में प्रकाशित शोध के मुताबिक पूर्व औद्योगिक काल की तुलना में पृथ्वी की सतह के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने से दुनिया की 15 फीसदी प्रजातियों के प्राकृतिक अधिवास नष्ट होने लगेंगे। जबकि, 2.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ा, तो 30 फीसदी प्रजातियां खतरे में होंगी। हालांकि, यह शोध का विषय है कि ये प्रजातियां इन बदलावों के साथ किस तरह समायोजन करती हैं। इनमें से कुछ प्रजातियां नई परिस्थितियों में ढल सकती हैं, जबकि कुछ विलुप्त हो सकती हैं।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

गौ और गोठान पर राजनीति

भारत को स्वतंत्र हुए 75 साल बीत गए, अब लग रहा है कि जिन आदर्शों को लेकर स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सब कुछ न्यौछावर कर किया था, उनके साकार होने का समय आ रहा है। महात्मा गांधी गौ और गोठान को अहमियत देते थे, आज छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में गाय, गोबर और गोठान की चर्चा हो रही है। देश में रामराज्य की चर्चा हो रही है, गौहत्या रोकने की बात मुख्यमंत्री कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार बनने के बाद नरवा-गरवा-घूरवा-बारी का नारा दिया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कार्यक्रम संचालित किए गए। इसके तहत प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में गोठान बनाने का निर्णय लिया, इसके पीछे उद्देश्य तो सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों को एक जगह इकट्ठा करने का था। उद्देश्य के पूरा नहीं होने के बाद इस योजना में गोबर खरीदने का निर्णय लिया गया। तब से अबतक यह योजना चल रही है। खरीदे गए गोबर से स्व सहायता समूह के माध्यम से वर्मी कंपोस्ट और अन्य उत्पाद बनाने का निर्णय शामिल किया। लेकिन सरकार के इस योजना को अधिकारियों ने ठीक से अमल नहीं किया और कई गोठान समिति के अध्यक्ष और सरपंचों ने मिलीभगत कर भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया। वैसे तो सरकार के इस फ्लैगशिप योजना के लिए बजट में कोई का प्रावधान नहीं किया गया फिर भी डीएमएफ, पंचायतों की राशि, सीएसआर के पैसे सहित अनेक योजनाओं के फंड का उपयोग किया गया। सरकार दावा करती है कि लगभग 11 हजार गोठान बनाए गए हैं, लेकिन कई तो आकार तक नहीं ले पाए। कुछ जगह गोबर की पर्याप्त खरीदी हो रही है, वहां स्व सहायता समूह भी अच्छा काम कर रहे लेकिन ज्यादातर गोठनों में सब सन्नाटा है। शासन के अनुसार अब तक गोबर खरीदने वाले लोगों को करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है इसी तरह स्व सहायता समूह को भी करोड़ों रूपए की राशि मिल चुकी है लेकिन 11 हजार गोठान बनाने में 1500 करोड़ रूपए से अधिक का खर्च हो चुका है। ऐसे में गोठान बनाने के पैसे को गौपालकों में बांट देते तो प्रत्येक की हिस्से में ज्यादा राशि मिलती। गौपालन को बढ़ावा मिलता और रही बात गोबर बेचने वालों की तो उसे गोठान में बेचने के बजाय पंचायत खरीदकर वर्मा कंपोस्ट बनाकर बेचे तो अच्छी आमदनी हो सकती है। मवेशी को इकट्ठा रखने का उपयोग तो गोठान आ नहीं रहे। फिर भी गोठान की योजना गलत नहीं थी, इसके क्रियान्वयन में गड़बड़ी हुई है। इसमें भ्रष्टाचार भले ही ना हो लेकिन सरकार के पैसे का दुरुपयोग तो हुआ है।

फिजी के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे गए पीएम मोदी

नईदिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी को सोमवार को फिजी के सर्वोच सम्मान- कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया। पीएम नरेंद्र मोदी के समकक्ष सित्विनी राबुका ने फिजी के प्रधान मंत्री सित्विनी राबुका ने पीएम नरेंद्र मोदी को फिजी के सर्वोच सम्मान - द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी (सीएफ) से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कैबिनेट में 9 मंत्री "दागी"

एडीआर रिपोर्ट का दावा
सभी के पास है करोड़ों की संपत्ति

नईदिल्ली। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में सोमवार को कहा गया कि 2023 कर्नाटक कैबिनेट के सभी नौ मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं और वे सभी "करोड़पति" हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के पास सबसे अधिक घोषित संपत्ति है जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे के पास सबसे कम संपत्ति है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और नौ मंत्रियों ने शनिवार को बेंगलुरु में शपथ ली। अन्य मंत्रियों में जी परमेश्वर, एमबी पाटिल, केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज, सतीश जारकीहोली, रामलिंगा रेड्डी और बीजेड जमीर अहमद खा भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि 9 मंत्रियों की औसत संपत्ति का विश्लेषण 229.27 करोड़ रुपये है। उच्चतम घोषित कुल संपत्ति वाले

मंत्री कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र से डी के शिवकुमार हैं, जिनकी संपत्ति 1413.80 करोड़ रुपये है।

एडीआर रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे कम घोषित कुल संपत्ति वाले मंत्री चित्तपुर (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से प्रियांक खड़गे हैं, जिनकी संपत्ति 16.83 करोड़ रुपये है। सभी 9 मंत्रियों ने देनदारियों की घोषणा की है, जिनमें से सबसे अधिक देनदारी वाले मंत्री कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र के डी के शिवकुमार हैं, जिनके पास 265.06 करोड़ रुपये की देनदारियां हैं। कर्नाटक के कैबिनेट मंत्रियों की शिक्षा योग्यता पर प्रकाश डालते हुए रिपोर्ट में कहा गया है, "3 (33 फीसदी) मंत्रियों ने अपनी शैक्षिक योग्यता 8वीं पास और 12वीं पास के बीच होने की घोषणा की है, जबकि 6 (67फीसदी) मंत्रियों ने स्नातक की शैक्षणिक योग्यता होने की घोषणा की है और ऊपर दिए गए। 5 (56त्न) मंत्रियों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच घोषित की है जबकि 4 (44त्न) मंत्रियों ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच घोषित की है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने कर्नाटक इलेक्शन वॉच पर अपनी नवीनतम रिपोर्ट में खुलासा किया है कि राज्य में शपथ लेने वाले नौ मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। रिपोर्ट में एडीआर ने यह भी कहा कि विश्लेषण किए गए नौ मंत्रियों में से चार (44 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि रिपोर्ट तैयार करने के समय ईसीआई की वेबसाइट पर उनके स्पष्ट और पूर्ण हलफनामों की अनुपलब्धता के कारण केजे जॉर्ज के मामले का विश्लेषण नहीं किया जा सका।

प्रमुख समाचार

मानहानि के मुकदमे में बीबीसी को नोटिस जारी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) को एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से दायर मानहानि के उस मुकदमे में सोमवार को नोटिस जारी किया, जिसमें दावा किया गया है कि उसके एक वृत्तचित्र में भारत, न्यायपालिका तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचायी गयी है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने बीबीसी (ब्रिटेन) के अलावा बीबीसी (भारत) को भी नोटिस जारी किया है और उनसे गुजरात के गैर सरकार संगठन 'जस्टिस फॉर ट्रायल' की ओर से दायर मुकदमे पर जवाब देने को कहा है। याचिका में कहा गया है कि बीबीसी (भारत) स्थानीय संचालन कार्यालय है और बीबीसी (ब्रिटेन) ने वृत्तचित्र 'इंडिया = द मोदी क्वेश्चन' जारी किया, जिसके दो भाग हैं। एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि बीबीसी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा एक वृत्तचित्र के संबंध में दायर किया गया है, जिसने भारत तथा न्यायपालिक समेत

खड़गे और राहुल से फिर मिले नीतीश कुमार, जानें विपक्षी एकता को लेकर क्या हुई बात

नईदिल्ली। विपक्षी एकता की कवायद में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से एक बार फिर से मुलाकात की है। पिछले कुछ दिनों में तीनों नेताओं की यह दूसरी औपचारिक मुलाकात है। नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता पर जोर दे रहे हैं। वह सभी दलों से एक साथ मिलकर 2024 का चुनाव लड़ने की अपील कर रहे हैं। इस मुलाकात पर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने अभी बैठक की है। अगले 1-2 दिनों में विपक्षी पार्टियों के साथ होने वाली बैठक की तारीख तय की जाएगी। जदयू अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि आज हमारी बैठक में विपक्षी एकता के बारे में जो सहमति बनी हुई थी, उसपर विस्तार से चर्चा हुई। ललन सिंह ने कहा कि विपक्षी एकता के लिए सभी दलों की एक बैठक होगी, जिसके लिए जगह, समय और तिथि अगले 2-3 दिन में तय हो जाएगी।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ 11 जून को महारैली करेगी आप

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को कहा कि वह 11 जून को केंद्र के काले अध्यादेश के खिलाफ एक महा रैली आयोजित करेगी, जो केजरीवाल सरकार के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नकारते हुए उपराज्यपाल को प्रभावी रूप से प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण देता है। आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह अध्यादेश दिखाता है कि केंद्र इस तरह के तानाशाही फैसले देश पर थोपेगा। भाजपा ने अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये दिल्ली की जनता के अधिकार छीन लिए हैं। भाजपा नेता इस काले अध्यादेश के आने पर खुशी से छाती पीट रहे हैं। कह रहे हैं- दिल्ली देश की राजधानी है, यहाँ दूतावास हैं, यहां कुछ होता है तो दुनिया पर असर पड़ता है जैसे पहले दिल्ली देश की राजधानी नहीं थी, दूतावास नहीं थे। एससी के फ़ैसले को अध्यादेश से पलटने पर तो दुनिया वाह! मोदी जी वाह! कर रही है। गोपाल राय ने कहा कि जो संविधान केंद्र सरकार को शक्तियाँ देता है।

कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने किए पांच बड़े वादे

नईदिल्ली। मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश चुनाव को देखते हुए तमाम पार्टियों ने अभी से ही अपनी तैयारियों में तेजी लानी शुरू कर दी है। चुनाव दिसंबर में होंगे लेकिन अभी से इसकी चर्चा शुरू हो गई है। सत्तारूढ़ भाजपा लगातार लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश में जुटी हुई है। तो वहीं कर्नाटक में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस से भी जबरदस्त तरीके से चुनावी वायदे कर रही है। कर्नाटक में 5 गारंटी देने वाली कांग्रेस मध्यप्रदेश में भी लोगों के समक्ष पांच बड़ी घोषणा की है। इन घोषणाओं के बल पर कांग्रेस को सत्ता मिलने की उम्मीद है तो वहीं भाजपा अभी से ही इसकी काट ढूंढने की तैयारी में जुट गई है। कांग्रेस की इन बातों में महिलाओं पर खासतौर पर फोकस किया गया है। इससे पहले भी कांग्रेस के इन वादों को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने संकेत दिए थे। कांग्रेस ने जो वादा दिया है।

मनीपुर में फिर से हिंसा और आगजनी, बुलाई गई सेना कर्फ्यू भी लगाया गया

नईदिल्ली। कई दिनों की तनावपूर्ण शांति के बाद आज दोपहर फिर से ताजा संघर्ष के बाद सेना और अर्धसैनिक बलों को हिंसा प्रभावित मणिपुर भेजा गया है। सूत्रों ने कहा कि राज्य की राजधानी इंफाल के न्यू चेकॉन इलाके में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच मारपीट हुई। स्थानीय बाजार में जगह को लेकर झड़प शुरू हो गई थी। इलाके से आगजनी की खबरें आने के बाद कर्फ्यू घोषित कर दिया गया। मणिपुर पिछले कई दिनों से विभिन्न मुद्दों से जुड़े जातीय संघर्षों का सामना कर रहा है। पहले की हिंसा के बाद लोगों द्वारा खाली किए गए खाली घरों में तोड़-फोड़ की खबरें आ रही हैं। कुछ घरों में आग भी लगाई गई है। इस महीने की शुरुआत में पहाड़ी राज्य में तब झड़पें हुई थीं, जब आदिवासियों ने अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में 3 मई को एकजुटता मार्च निकाला था। एक सप्ताह से अधिक समय से चले हिंसा में 70 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

श्रीनगर में जी20 की बैठक विदेशी प्रतिनिधियों पहुँचे, बौखलाया पाकिस्तान

नीरज कुमार दुबे

पर्यटन पर जी20 के कार्यकारी समूह की तीसरी बैठक श्रीनगर में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई। 22 से 24 मई तक आयोजित होने वाली इस बैठक में पहले दिन सभी गणमान्य अतिथियों का पारम्परिक अंदाज में भव्य स्वागत किया गया। सुहावने मौसम के बीच धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर पहुँच कर विदेशी प्रतिनिधि भी बेहद प्रसन्न दिखे। हर ओर कश्मीरी पारम्परिक गीत-संगीत की धुनों और नृत्यों ने सबका मन मोह लिया। यही नहीं, अभिनेता राम चरण ने श्रीनगर में चल रही जी20 बैठक में ऑस्कर अवॉर्ड पुरस्कृत नाटू-नाटू गाने पर नृत्य किया और कहा कि कश्मीर बहुत खूबसूरत है और इस बैठक के लिए सबसे अच्छी जगह चुनी गई है।

बैठक से बड़ी उम्मीदें

हम आपको बता दें कि बैठक में शामिल होने के लिए करीब 60 विदेशी प्रतिनिधि श्रीनगर आये हैं। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को अगस्त 2019 में निरस्त करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित करने के बाद श्रीनगर में यह पहली अंतरराष्ट्रीय बैठक हो रही है। जी20 समूह के कई देशों के प्रतिनिधि कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह एक चार्टर्ड विमान

से श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। मार्ग पर सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती के बीच प्रतिनिधियों को बैठक स्थल शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर (एसकेआईसीसी) ले जाया गया। प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए मार्ग में कई स्थानों पर दीवारों और होर्डिंग्स पर पेंट से जी20 का 'लोगो' बनाया गया है। कार्यक्रम का सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बैठक को कवर करने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पत्रकार भी आये हैं।

अधिकारियों ने बताया कि जहां एसकेआईसीसी के आसपास के बुलेवार्ड रोड को तीन दिनों के लिए 'नो-गो जोन' (आवाजाही पर प्रतिबंध) बना दिया गया है, वहीं प्रतिनिधि जिस मार्ग से गुजरेंगे, वहां और हवाई अड्डे से डलगेट तक के मार्ग पर सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर शहर में या अन्यत्र लोगों की आवाजाही पर या सार्वजनिक परिवहन पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने बताया कि जनजीवन सामान्य है, दुकानें और कारोबारी प्रतिष्ठान और दिनों की तरह ही खुले हुए हैं और कामकाज जारी है।

जम्मू में भी सुरक्षा कड़ी

दूसरी ओर, जम्मू से मिले समाचारों के मुताबिक, श्रीनगर में जी-20 देशों के पर्यटन कार्य समूह की तीसरी बैठक शुरू होने के मद्देनजर बस टर्मिनल समेत सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि शहर भर में नाके बनाए गए हैं जहां वाहनों को रोक कर उनकी तलाशी ली जा रही है। लोगों की जांच तेज कर दी गई है और बस टर्मिनल पर उनकी पहचान की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि घुसपैठ की आशंका के बाद सीमावर्ती जिलों पर विशेष ध्यान देने के साथ पुंछ, कठुआ, राजौरी और सांबा जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं कि कार्यक्रम बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो।

पाकिस्तान बौखलाया

दूसरी ओर, विदेशी प्रतिनिधियों को श्रीनगर के विकास और खूबसूरती को निहारते और उसकी तारीफ करते देख पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान ने अपने विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को पीओके के दौरे पर भेज दिया है। पीओके पहुँचने पर बिलावल ने एक स्थानीय चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि श्रीनगर में इस तरह का आयोजन करना संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों का उल्लंघन है। बिलावल ने कहा कि भारत एक ओर खुद को सुपर पावर के रूप में दिखा रहा है और दूसरी ओर खुलेआम यूएन प्रस्ताव का उल्लंघन कर रहा है।उधर, स्थानीय स्तर पर भी लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच जो पर्यटक कश्मीर के दौरे पर आये हैं वह भी यहां की साज-सज्जा को देखकर खुश नजर आ रहे हैं। पर्यटकों का कहना है कि पूरा देश घूम लिया लेकिन कश्मीर से बेहतर कुछ नहीं है।

चलबो गौठान खोलबो पोल अभियान के तहत भाजपा ने अनेकों गौठानों का किया निरीक्षण

अंडा। भाजपा मण्डल गुंदरदेही के द्वारा चलबो गौठान, खोलबो पोल अभियान के अन्तर्गत ग्राम पंचायत डंगनिया, गोरकापार, सकरौद, कसौंदा, एवम कलंगपुर गौठानो में निरक्षण किया गया, जिसमे भूपेश बघेल सरकार की पोल खुल गई कांग्रेस सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के अंतर्गत गौठानो में व्याप्त भ्रष्टाचार उजागर हुईं हैं ग्राम डंगनिया के गौठान में गौ माता की पानी पीने के लिए कोटना बनाया गया है वह सुखा है, वर्मी कंपोशट खाद बनाने के लिए जो छतरी बनाया गया है वह जर्जर हो गया है, गौठान में सूचना पटल नही है , गौठान में तारो से घेरा नही किया गया है मुख्य प्रवेश द्वार ऐसे लगता है की कई सालो से खुला नही है बल्कि केन्द्र सरकार की राशि का दुरपयोग कर व्याप्त भ्रष्टाचार किया गया है।

स्वसहायता समूह के द्वारा वर्मी खाद बनाया जाता है जिसमे किसी भी प्रकार की कोई लाभ नहीं मिलता इसी प्रकार सकरौद के गौठानो में भी व्याप्त भ्रष्टाचार उजागर हुई है गौठानो की स्थिति की जायजा लेने और अनियमितता को उजागर करने के लिए चलबो गौठान, खोलबो पोल , अभियान के कार्य क्रम प्रभारी भाजपा जिला महामंत्री देवेन्द्र जायसवाल , पूर्व विधायक वीरेन्द्र कुमार साहू, राजेन्द्र कुमार राय, मण्डल अध्यक्ष दुष्यन्त कुमार सोनवानी, जिला पंचायत सदस्य पुष्पेन्द्र चंद्राकर, पूर्व महामंत्री प्रमोद जैन ,वरिष्ठ भाजपा नेता अश्वनी यादव, राजू अग्रवाल, महामंत्री थानसिंह मंडावी, सौरभ चोपड़ा, मोना टुवानी, उपाध्यक्ष मुरलीधर साहू, केशव राम साहू, चेतन लाल साहू, टीका राम सावरे, टीका राम निषाद,

घना राम साहू, दयाराम सिन्हा, भूपेन्द्र निषाद, धनेश चंद्राकर, प्रकाश सावरे, महेन्द्र साहू, नरेन्द्र प्रसाद यादव, कुलदीप साहू, मोहित चंद्राकर, प्रमोद पटेल, हरि मौर्य, संजू चंद्राकर, देवा सोनकर, प्रदीप साहू, शिवरतन मंडावी, तुलसी राम साहू, विकास जैन, सुफ्ल कुल्हारे, जीवन यदु,तेज राम साहू, सनत साहू, धनंजय चंद्राकर, तरुण साहू, हेमचन्द चंद्राकर, गौतम चंद्राकर, अलख बंजारे सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल बेलरगांव ने गौठानों में अव्यवस्थाओं पर सरकार को घेरा

नगरी। चलबो गौठान खोलबो पोल अभियान के अंतर्गत प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार एवं जिला भाजपा के मार्गदर्शन में भाजपा मंडल बेलरगांव अंतर्गत सात गौठानों में भाजपा के दल प्रमुख जिला महामंत्री प्रकाश बैस के नेतृत्व में निरीक्षण किया। भाजपाइयों ने बताया कि बटनहर्रा गौठान में महिला समूह ने बयान दिया कि खाद बनाने में जितना मेहनत लगता है उतना आमदनी नहीं होता।घोटगांव गौठान में ताला जड़ा हुआ था। बिरगुड़ी गौठान में किसी भी प्रकार का बाउंड्री वॉल नहीं था और ना ही चारा था, न हीं कहीं पर मवेशी मिला। विधायक के गृह ग्राम आमगांव में श्मशान घाट को घेर कर गौठान बनाया गया है, वहां पर गौठान प्रबंधन समिति ने बयान दिया कि पानी की कोई सुविधा नहीं है और साल भर से कोई मवेशी यहां नहीं आता और ना ही कोई चारा का प्रबंध है। भुरसीडोंगरी, बरबाँधा, घुरावड़ में सब टूटा फूटा मिला। सभी गौठान में प्रबंधन समिति एवं गांव वालों ने बयान दिया कि बरसात में 1 किलो भी गोबर नहीं बहा है। भाजपाइयों ने कहा कि भूपेश सरकार बयान देती है कि करोड़ों का गोबर बरसात में बह गया लेकिन निरीक्षण के दौरान यह साबित हो गया कि वह झूठा बयान देते हैं। गौठानों में पानी की सुविधा नहीं होने से महिला समूह बहुत कम खाद बना पाते हैं जिससे बहुत कम आमदनी होती है। उनके परिवार का भरण पोषण नहीं हो पाता। भूपेश सरकार कहती है दस हजार रुपये हर महीना रख रखाव के लिए दिया जाता है, किंतु वहां दस रुपया का खर्च दिखाई नहीं देता।

निरीक्षण दल में जिला महामंत्री प्रकाश बैस के साथ विधानसभा मीडिया प्रभारी रामगोपाल साहू, बेलरगांव मंडल अध्यक्ष अकबर कश्यप, जनपद उपाध्यक्ष हुमित लिमजा, महामंत्री राकेश चौबे, सांसद प्रतिनिधि मोहन पुजारी, जनपद सदस्य सुखचंद मरकाम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यवती नेताम, पूर्व जनपद सदस्य अजय ध्रुव, बिरगुड़ी उप सरपंच राजेश कश्यप, यशवंत साहू, अनिता मरकाम, दीपक साहू, सोहन साहू थे।

पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा के नेतृत्व में गौठानों का निरीक्षण

नगरी। चलबो गौठान खोलबो पोल अभियान के अंतर्गत भाजपा मंडल नगरी के विभिन्न गांवों में भाजपा के दल प्रमुख धमतरी के पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा के नेतृत्व में गौठानों का निरीक्षण किया गया।

भाजपाइयों ने बताया कि राजपुर गौठान में छः माह से गोबर खरीदी बन्द है। प्रबन्धन समिति घाटे में चल रही है. उन्नीस लाख के लायक काम नही हुआ है। पानी नहीं होने के कारण वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण नही हो पा रहा है। सन्तोष चौहान के साथ गांव वालों ने बताया कि कोटाभर्री में मवेशी कम है फिर भी जबरदस्ती बनाया गया है, जबकि डोंगरडुला में मवेशी ज्यादा है और वहां जगह भी है। मांग करने पर भी नहीं बनाया गया. गौठान में थोड़ा बहुत मुरुम डालकर खानापूर्ति करके भ्रष्टाचार किया गया है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा के साथ मण्डल अध्यक्ष मोहन नाहटा, मंडल संयोजक नागेन्द्र शुक्ला, जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष महेंद्र नेताम, मीडिया प्रभारी रामगोपाल साहू, प्रवीण साहू धमतरी, दिग्विजय सिंह ध्रुव, जनपद सदस्य बंशीलाल सोरी, कार्तिक विश्वकर्मा, सन्तोष चौहान, हिम्मन सूर्यवंशी, दयाराम नेताम, गौतम चन्द्रवँशी, सन्तोष निषाद उपस्थित थे।

भाजपाइयों के पास कोई काम नहीं इसलिए गौठानों की ओर रुख कर रहे : रतिराम कोसमा

दल्ली राजहरा। जिला कांग्रेस कमेटी बालोद महामंत्री रतिराम कोसमा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की छत्तीसगढ़ सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट नरवा गरवा घुरवा बारी के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरी निकाय क्षेत्रों में गौठान का निर्माण किया गया। जिसके माध्यम से उन गौठान क्षेत्रों में आने वाले स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार मिला गौपालकों का गोबर खरीदा गया ,बारी योजना के तहत उन गोठानों में साग सब्जियां भी लगाई जा रही है ।अलग-अलग गोठानो में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिला स्व सहायता समूह आर्थिक रूप से सक्षम हो रही है । लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेता जिनके पास अब कोई काम नहीं रह गया है वे गोठानों में भी भ्रष्टाचार देखने चलें हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी इस योजना को ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों में चलाया है बालोद जिले में यह योजनाएं बेहतर ढंग से कार्य कर रही है और इन योजनाओं से जुड़े हुए लोग आर्थिक रूप से सक्षम भी होते जा रहे हैं, लेकिन भाजपाइयों को यह रास नहीं आ रहा है।

जिले भर में जब गोठानों का निर्माण हो रहा था। उन निकायों में चाहे वह ग्राम पंचायत हो या नगरी निकाय हो सभी जगह भारतीय जनता पार्टी के सांसद के द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि के रूप में उनके प्रतिनिधि, नगरीय निकायों में भाजपा के पार्षद ,खासकर डौंडी में नगर पंचायत अध्यक्ष, चिकलाकसा नगर पंचायत अध्यक्ष, ग्रामीण क्षेत्रों में भी भाजपा समर्थित पंच सरपंच हैं, साथ ही भाजपा के बहुत सारे क्रियाशील सक्रिय सदस्य भी है । लेकिन किसी के भी द्वारा गोठानों के निर्माण के समय किसी भी प्रकार की कोई भी प्रतिक्रिया नहीं की गई ।आज जब उनको कुछ नहीं सुझ रहा है तब अपने प्रदेश स्तरीय नेताओं के कहने पर गौठानों में भ्रष्टाचार खोजने निकले हैं।यह बहुत ही हास्यास्पद है कि जिन गौठानों में आम गौपालक लाखों रुपए का गोबर बेचकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहा है, स्व सहायता समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम हो रही है यह भाजपाइयों से देखा नहीं जा रहा है मुद्दा विहीन हो चुके भाजपाइयों के पास और कोई काम नहीं बचा है तो यह लोग गौठानों की ओर रुख कर रहे हैं।

गौठान छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण योजना है और इसका लाभ छत्तीसगढ़ की आम जनता को मिलने लगा है और भाजपाई नहीं चाहते कि छत्तीसगढ़ की आम जनता को सरकार के किसी भी योजना का कोई लाभ मिल पाए यह छत्तीसगढ़ की जनता को दिग्भ्रमित करना चाह रहे हैं लेकिन वे स्वयं दिग्भ्रमित होकर कार्य कर रहे हैं।

कबीर साहेब ने दुनिया को पढ़ाया एकता का पाठ: विधायक

- कुर्मी समाज सामुदायिक भवन निर्माण 15 लाख एवं कबीर कुटी में वाटर कूलर की घोषणा

बेमेतरा। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर बेमेतरा के वार्ड 06 मोहभट्ठा में आयोजित श्री सदगुरू कबीर साहब प्रगटोत्सव समारोह में मुख्यअतिथि मान. आशीष छाबड़ा जी विधायक बेमेतरा हुए शामिल सर्वप्रथम श्री सदुरू कबीर साहेब,पंथ श्री हुजूर प्रकाश मुनि नाम साहेब, नवोदित वंशाचार्य उदित मुनि नाम साहब,गुरु गोसाई डा.भानुप्रताप गुरु गोसाई साहब के पावन चरण कमलो में बंदगी कर क्षेत्र वासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना किए।

इस अवसर पर विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि सदगुरु कबीर साहेब की अमृत वाणी,आज भी साहित्य की अनमोल धरोहर हैं.सदुरू कबीर साहेब की अनमोल वाणियों का संकलन कबीर सागर,कबीर मंसूर, कबीर साखी, आदि में मिलता है,सदुरु कबीर साहेब समाज में फैले आडंबरों के सख्त विरोधी

थे,उन्होंने लोगों के बीच से छूआछूत जात पात जैसे कुर्तियों को मिटाने का प्रयास किया,उन्होंने अपने अमृत वाणी के माध्यम से समाज को एक संदेश दिया है,उनके अमृत वाणी मानव को जीवन की नई प्रेरणा देते थे, उन्होंने लोगों को एकता के सूत्र का पाठ पढ़ाया, हमें सदुरु कबीर साहेब के अमृत वाणी वचनों को अपने जीवन में उतार कर मानव जीवन को सफल बनाएं सदगुरू कबीर साहेब की वाणी वचन या उनके दोहे हमें सफलता की ओर ले जाती है उनके अमृत वाणी और उनके विचार इतने उच्च स्तर के है. इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि साईं इतना दीजिए जामे कुटुम्ब समाय। मैं भी भूखा ना रहूं साधु भी भूखा ना जाए. स्वयं के परिवार की चिंता के साथ अपने द्वार पर आने वाले साधु की चिंता करने का विचार हमें कबीर साहेब के अमृत वाणी में ही मिलता है.सत्संग के बिना हमारा ये मानव जीवन व्यर्थ है,श्री सदुरु कबीर साहेब ने बताये है,मानव जीवन के पांच सार है,हरि भजन,साधु संगत,दया,दिन,उपकार जीवन मे पांच अनमोल रत्न है,हरि भजन करना चाइये,सत्संग साधुओं का जहां भी होता है,जहाँ भी सच्चे साधु मिल जाए,उनसे ज्ञान की बाते सुन्ना चाहिए,दया,दिन उपकार,हर मानव में ये गुण होना चाहिए,तभी ये हमारा ये मानव जीवन सफल होगा,सदुरु कबीर साहब,पंथ श्री हुजूर प्रकाशमुनिनाम साहब, गुरुगोसाई डॉ.भानुप्रताप साहब की असीम कृपा, स्नेह,प्यार,हमारे बेमेतरा क्षेत्र वासियों को मिलता आ रहा है,पंथ श्री हुजूर प्रकाशमुनिनाम साहब के बताये सत्य के मार्ग मे चल के हम सभी को अपने मानव जीवन को सफल बनाना है,तभी हम सब का ये मानव जीवन सफल होगा,वार्ड 06 के नगरवासियों/कुर्मी समाज के पदाधिकारियों द्वारा कुर्मी समाज के समुदायिक भवन एवं कबीर कुटी में वाटर कूलर की मांग जिस पर विधायक आशीष छाबड़ा ने कुर्मी समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु 15 लाख रुपए एवं कबीर कुटी में वाटर कूलर की घोषणा की।

मितानिनों की समस्याओं के समाधान और सुविधाओं में वृद्धि के लिए होगी कोशिश: डॉ चरणदास महंत

- एक मितानिन गांवों के घर-घर जाकर सेवाएं प्रदान करती हैं जो सराहनीय हैं - सांसद

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने जांजगीर-चांपा जिला बम्हनीडीह विकासखंड के नगर सारागांव के डॉ भीमराव अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन में आयोजित ब्लॉक स्तरीय मितानिन सम्मेलन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत राजगीत गायन और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना के साथ किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मितानिनों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है, उनका कार्य सराहनीय और वंदनीय है। उन्होंने मितानिनों की समस्याओं के समाधान और सुविधाओं में वृद्धि के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही। डॉ महंत ने कहा कि

ग्रामीण क्षेत्रों में मितानिनों द्वारा आम लोगों की स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों, कर्मचारियों का आह्वान कर कहा कि वे संवेदनशीलता के साथ मानवीय सोच से कार्य करते हुए मितानिनों का पूरा सहयोग करें। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत और सांसद ज्योत्सना महंत ने मितानिनों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रति मितानिन चार हजार रूपये के स्वेच्छा अनुदान राशि का चेक और रामचरित मानस, हनुमान चालीसा देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि मितानिन का कार्य बहुत ही बड़ा होता है। जहां तक डॉक्टर व अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी नहीं पहुंच पाते वहां भी मितानिन पहुंचती है। मितानिन गांवों के घर-घर घूमकर जो सेवाएं प्रदान करती है वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि एक महिला ही अपने परिवार को अच्छे संस्कार दे सकती है। जिससे समाज का बेहतर विकास होता है। सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने मितानिन महिलाओ के बीच बैठकर उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर उनसे चर्चा भी किया। इसी प्रकार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सिसोदिया ने कहा कि मितानिन समुदाय और स्वास्थ्य विभाग के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गर्भवती माताओं का पंजीयन, संस्थागत प्रसव, शिशुओ का टीकाकरण, गैर संचारी, व संचारी रोगों के रोकथाम सहित अन्य विभिन्न कार्यों में मितानिनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है जो एक अति महत्वपूर्ण कार्य है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

लखमा ने टाहकवाड़ा के ग्रामीणों को करवाया कांग्रेस प्रवेश

जगदलपुर। जिले के ग्राम टाहकवाड़ा के उप सरपंच कमला नाग के नेतृत्व में 50 ग्रामीणों को आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कांग्रेस प्रवेश करवाया। इस दौरान मंत्री कवासी लखमा, संसदीय सचिव व जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन तथा चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम ने इन सभी का स्वागत पुष्पाहार तथा कांग्रेस का पटका पहनाकर किया। इस दौरान विजय कुमार नाग, सिरपति नाग, सीताराम नाग, युवेन्द्र नाग, सामूराम नाग आदि मौजूद थे। कांग्रेस प्रवेश करने वाले सभी ग्रामीण ग्राम टहकवाडा निवासी तथा सीपीआई के सदस्य थे। बताया गया कि उप सरपंच कमला नाग के नेतृत्व में लखमी नाग, रायमती नाग, देवती नाग, सुकालू नाग, मानसाय कश्यप, सम्पत नाग, जयति नाग, जयराम नाग सहित 50 ग्रामीण सम्मिलित थे। कांग्रेस के नेताओं ने इनसे कांग्रेस की रीति-नीति पर चलने तथा जनोनमुखी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने कहा है।

90 ट्रैक्टर अवैध रेत खनिज विभाग ने किया जब्त

कोरबा। नगर पालिक निगम के वार्ड दुरपा में रेत के अवैध भंडारण और बरहमपुर रेत घाट से अवैध रेत के परिवहन की जानकारी पाकर खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची जहां टीम ने 90 ट्रैक्टर अवैध रेत का भंडारण पाया वही एक मिनी टिपर भी अवैध रेत परिवहन करते हुए मिली। खनिज विभाग ने गौण खनिज नियम के तहत कार्रवाई करते हुए 90 ट्रैक्टर अवैध रेत के भंडारण और मिनी टिपर को जप्त करते हुए कार्यवाही की है। जानकारी के अनुसार खनिज विभाग के द्वारा कार्यवाही करते हुए बरमपुर के मोहम्मद हसन के द्वारा विद्यालय परिसर में रखे अनुमानित 50 ट्रैक्टर अवैध भंडारण रेत की जब्ती बनाई गई। इसी प्रकार कुसमुंडा निवासी दीपक यादव द्वारा बरमपुर में नहर किनारे लगभग 40 ट्रैक्टर रेत का अवैध भंडारण किया गया था जिसको भी खनिज विभाग ने जप्त किया है। जांच के दौरान अवैध रूप से परिवहन करते हुए एक मिनी टिपर को जप्त कर गौण खनिज नियम के तहत कार्यवाही की जा रही है।

गर्मी में बढ़ी बिजली समस्या कटौती से लोग हुए परेशान

तिल्दा। भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती ने उपभोक्ताओं को बेहाल कर दिया। बिजली संकट ने समस्या खड़ी कर दी। शहर में शुक्रवार की शाम अचानक चली तेज आंधी से शहर की बिजली कंपनी के मेंटनेस कार्य की पोल खोल दी है। आंधी के बाद बूंदाबांदी से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत तो मिली, लेकिन रात भर बिजली गुल होने से लोग घरों के अंदर उमस की वजह से मछली से तड़पते रहे। शहर में सिंधी कैंप एवं अन्य जगहों पर ब्लैक आउट रहा। गर्मी आते ही शहर में शुरू हुआ बिजली का संकट शुरुआती प्री-मानसून की बारिश में भी नजर आ रहा है। दिनभर तेज धूप के बाद शुक्रवार की शाम शहर में ऐसी आंधी चली कि आधी रात तक शहर के कुछ इलाकों में लोग बिना बिजली के परेशान होते रहे। रात भर शहर की आंख मिचौली जारी थी, जिसके चलते शहरवासी इंटरनेट मीडिया से लेकर बिजली कंपनी के अधिकारियों व हेल्पलाइन नंबरों पर भी लगातार फोन लगाते रहे। इसके बाद भी लोगों को जब बिजली नहीं मिली। देर रात तक कुछ जगह रात दो बजे बिजली आ गई।

जानबूझकर 500 फाल पूरे नहीं करने दे रही सरकारः नेताम

नगरी। तेन्दूपत्ता जन चौपाल कार्यक्रम के तहत भाजपा अजजा मोर्चा जिला धमतरी जिलाध्यक्ष महेन्द्र नेताम द्वारा ग्राम गजकन्हार (कौहापानी) में तेन्दूपत्ता संग्राहकों से मुलाक़ात कर मिलने वाली सुविधाओं पर बात की। सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जानबूझकर 500फाल (गड्डी) पूरे नहीं करने दे रही है ताकि संग्राहकों को शासकीय सुविधा न देना पड़े। भाजपा सरकार के समय को याद करते हुए संग्राहक महिलाओं में श्रीमती श्यामा मरकाम ने बताया कि पहिली तो लुगरा अऊ पनही घलो मिलत रिहिस, अब वहु ला बंद कर दिस सरकार हा। श्रीमती गैन्दीबाई मरकाम ने बताया कि कई झन के 500 फाल घलो नि होय हे अऊ पान टोरई ला बंद कर दिस हे। युवा महिला श्रीमती पवनेश्वरी सोरी ने कहा कि यदि फिर से चालू करेंगे तो छूटे लोगों का 500फाल पूरा हो जाएगा। कुछ महिलाओं ने बताया कि बहुत गांव में बोनस दिये हैं लेकिन हमारे गांव में तेन्दूपत्ता बोनस नहीं दिये हैं। साथ ही बच्चों को तेन्दूपत्ता छात्रवृत्ति भी नहीं मिला है।

युवाओं ने विधायक के जल्द स्वस्थ को लेकर पहुंचे मंदिर

धमतरी। नगर के युवाओं द्वारा पुराना बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में विधायक रंजना साहू के स्वस्थ व दीर्घायु की कामना करने हनुमान चालीसा पाठ एवं आरती की गई,विदित हो कि विधायक रंजना साहू शुक्रवार को गरियाबंद जिले के मैनपुर मार्ग पर झरियाबहार के पास एक बड़े सड़क हादसे में घायल हुईं है जिसके बाद से नगर में चिंता का माहौल व्याप्त है कहीं महिलाओं द्वारा उनके नाम से अरदास कराई जा रही है तो कहीं युवाओं द्वारा हनुमान चालीसा पाठ कर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की जा रही है। इसी कड़ी में नगर के युवाओं द्वारा शनिवार को पुराना बस स्टैंड स्थित मंदिर में हनुमान भगवान से पूजा अर्चना कर विधायक रंजना साहू के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई,वहीं हनुमान मंदिर के पुजारी पंडित खेमराज तिवारी ने कहा रंजना साहू एक कर्तव्यनिष्ठ विधायक है उनकी रक्षा स्वयं हनुमान जी कर रहे हैं,अपनी जनता के प्रति हमेशा सजग और जागरूक रहती हैं जनता के बीच रहती हैं आज उनके जल्द स्वस्थ होने की हम कामना करते हैं।

पंचायतों, गरीबों के हक का पैसा लूट रही भूपेश सरकार: भाजपा

धमतरी। जब से प्रदेश मे कांग्रेस की सरकार आयी है बेदर्दी से संसाधनों की लूट की जा रही है । केंद्र सरकार की योजनाओं के पैसों का खुलकर दुरूपयोग किया जा रहा है । भाजपा इन दिनों गाँव और गरीब से सीधे जुड़े विषय को लेकर अभियान चला रही है। चलबो गोठान, खोलबो पोल अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को भाजपा के प्रमुख नेतागण धमतरी नगर निगम द्वारा संचालित ग्राम अर्जुनी स्थित गोठान का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कई चौकाने वाले तथ्य सामने आये । लगभग 1300 करोड़ रू की धनराशि इन गोठानों पर प्रदेश सरकार ने लगाई है यह धनराशि भारत सरकार के 14 वें वित्त, 15 वें वित्त, डी एम एफ रूरबन, एल डब्ल्यू जी जैसे मदों की राशि का अवैध रूप से जबरन मद परिवर्तन कर इतनी बड़ी राशि का दुरूपयोग किया गया है।

गोठान के निरीक्षण मे पहुंची धमतरी विधायक श्रीमती रंजना साहू ने गौमाता के नाम पर किये गए भ्रष्टाचार को सबसे शर्मनाक बताया है । उन्होंने कहा कि गोठान मे 300 गाय रखने का नियम है परंतु यहाँ बमुश्किल 30 गाय हैं, उनके भी देखरेख का कोई इंतज़ाम नही है । न चारा है, न पानी है केवल एक चौकीदार के भरोसे गौ माता को अपने हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया गया है। प्रदेश मंत्री रामू रोहरा एवं नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र रोहरा ने हैरानगी जताते हुए कहा कि राज्य सरकार जिस योजना को अपनी अभिनव योजना बताती है उस योजना मे एक भी पैसा राज्य सरकार ने अपना नही लगाया है। केंद्र सरकार के पैसों का दुरूपयोग कर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है । लाखों रुपये मद परिवर्तन कर इस गोठान मे लगाए गए पर न तो यहाँ गाय को रखने की पर्याप्त व्यवस्था है न कोई समूह या ठेकेदार इसके लिए गोठान पर नजर आता है, न यहाँ कोई गोबर खरीदी होती नजर आती है । कंपोस्ट खाद के लिए शेड एवं टंकी बनी हुई है परंतु उसमे एक किलोग्राम खाद का निर्माण भी अब तक हुआ होगा ऐसा प्रतीत नही होता। कार्यक्रम के विधानसभा संयोजक महेंद्र पंडित ने भूपेश बघेल के गोबर घोटाले को बहुचर्चित चारा घोटाले से भी बढ़कर बताया। केवल कागजों मे ही गोबर की खरीद हो रही है। स्थल पर जो गोबर का ढेर है वो साल भर से अधिक समय से रखा हुआ स्पष्ट देखा जा सकता है । 2 रु किलो मे कागजों मे गोबर खरीदी जाती है और कंपोस्ट खाद के रूप मे मिट्टी को बोरियों मे भरकर 10 रु किलो मे किसानों को लादन के रूप मे जबरदस्ती दे दिया जाता है। जिला महामंत्री कविन्द्र जैन, जिला उपाध्यक्ष अरविंदर मुंडी, बीथिका विश्वास ने कहा कि अर्जुनी स्थित गोठान जो कि पहले भाजपा शासन मे बस डिपो के रूप मे लगभग 80 लाख की लागत से तैयार किया गया था उसे भूपेश सरकार ने गोठान मे तब्दील कर दिया। उसमे और बीसियों लाख खर्च करके पैसों का दुरूपयोग किया गया । पंचायतों के, गरीबों के हक़ के पैसों की लूट की गयी। इतनी लागत से बने गोठान का उपयोग न तो गौमाता की सेवा के लिए हो रहा न इससे जनता का कोई हित हो रहा ।

सांसद की पहल: 10 साल बाद प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवजा

कोरबा। कोरबा जिले के पाली.तानाखार विधानसभा क्षेत्र एवं पाली विकासखंड के ग्राम पंचायत मुरली, तहसील हरदीबाजार अंतर्गत आने वाले मसुरिहा जलाशय से प्रभावित आदिवासियों की जमीनों का मुआवजा प्रकरण अब निराकृत होने की ओर अग्रसर है। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के निर्देश उपरांत क्षेत्रीय विधायक मोहितराम केरकेट्टा की पहल और जैविक सहकारी किसान समिति के प्रयासों से यह हो रहा है।

कटघोरा राजस्व अनुविभाग सिंचाई के अंतर्गत निर्मित मसुरिहा जलाशय के निर्माण के दौरान सिंचाई विभाग द्वारा आदिवासियों की जमीन के नीचे जलाशय बनाने का कार्य कर दिया गया

है। किसानों का मुआवजा प्रकरण आज तक निराकृत नहीं हुआ है और किसान पिछले 10 वर्षों से अपनी भूमि में कृषि कार्य नहीं कर पा रहे हैं। सिंचाई विभाग द्वारा जलाशय का काम अधूरा छोड़ दिया गया है। जैविक किसान सहकारी समिति मर्यादित के मुख्य समन्वयक विनोद शुक्ला ने इस संबंध में विगत दिनों क्षेत्रीय प्रवास के दौरान पाली-तानाखार विधानसभा पहुंची सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत एवं पाली.तानाखार विधायक मोहितराम केरकेट्टा के समक्ष अपनी बात रखी। बताया कि जिला प्रशासन से पीड़ित किसान कई बार निवेदन कर चुके हैं किंतु किसानों का मुआवजा नहीं मिल सका है और सिंचाई विभाग जलाशय के अधूरे कार्यों को पूर्ण नहीं कर रहा है। सांसद ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्यवाही हेतु विधायक मोहितराम केरकेट्टा को निराकरण कराने निर्देशित किया। विधायक ने इस संबंध में एसडीएम पाली से चर्चा की। इसके पश्चात कार्य में तेजी आई है और अर्जित निजी भूमि रकबा 4.22 हे के 32 किसान भू-स्वामियों को अर्जित भूमि के मुआजवा वितरण की कार्यवाही हेतु 22 मई 2023 को सुबह 11 बजे से एसडीएम कार्यालय में उपस्थित रहने संबंधी सूचना जारी की गई है। प्रभावितों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने कहा गया है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

जी20 देशों के प्रतिनिधि बैठक के लिए श्रीनगर पहुंचे

श्रीनगर। पर्यटन पर जी20 के कार्यकारी समूह की तीसरी बैठक के लिए सोमवार को करीब 60 विदेशी प्रतिनिधि यहां पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को अगस्त 2019 में निरस्त करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित करने के बाद श्रीनगर में यह पहली अंतरराष्ट्रीय बैठक हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि जी20 समूह के कई देशों के प्रतिनिधि कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह एक चार्टर्ड विमान से श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचे। उन्होंने बताया कि मार्ग पर सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती के बीच प्रतिनिधियों को बैठक स्थल शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर (एसकेआईसीसी) ले जाया गया। प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए मार्ग में कई स्थानों पर दीवारों और होर्डिंग्स पर पेंट से जी20 का 'लोगो' बनाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटिल ईडी के सामने हुए पेश

मुंबई। महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटिल आईएल एंड एफएस (इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड) से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय पहुंचे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता बड़ी संख्या में पार्टी समर्थकों की मौजूदगी में पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 50 मिनट पर ईडी कार्यालय पहुंचे। एजेंसी का कार्यालय दक्षिण मुंबई में बल्लार्ड एस्टेट में एनसीपी कार्यालय के करीब स्थित है। मामले के संबंध में ईडी अधिकारियों द्वारा पाटिल का बयान दर्ज किए जाने की संभावना है। उन्होंने संवाददताओं से कहा कि वो क्या जानना चाहते हैं वो मुझे मालूम नहीं लेकिन वो जो भी पूछेंगे मैं उनके सारे सवाल का जवाब दूंगा। पाटिल ने कहा कि मैं विपक्ष का हिस्सा हूं और इस तरह की पीड़ा का सामना करने की जरूरत है। मैंने अतीत में आईएल एंड एफएस का नाम कभी नहीं सुना, लेकिन ईडी के अधिकारियों ने मुझे उनके सामने पेश होने के लिए बुलाया है।

नवीन पटनायक ने मंत्रिमंडल में शामिल किए तीन मंत्री

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल के विधायक बिक्रम केशरी अरुखा, सुदाम मरंडी और सारदा प्रसाद नायक ने सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल में मंत्रियों के रूप में शपथ ली। मंत्रिपरिषद का पुनर्गठन करने के बाद मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के मंत्रिमंडल में यह दूसरा बदलाव है। राज्यपाल गणेशी लाल ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में लोक सेवा भवन भुवनेश्वर के परिसर में आयोजित एक समारोह में तीन कैबिनेट मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई। स्कूल और जन शिक्षा मंत्री समीर रंजन दाश और श्रम मंत्री श्रीकांत साहू ने पिछले सप्ताह अपना इस्तीफा दे दिया। जनवरी में नाबा किशोर दास के मारे जाने के बाद, उनकी जगह स्वास्थ्य मंत्री के रूप में किसी को नियुक्त नहीं किया गया था। स्कूल एवं जन शिक्षा तथा श्रम विभाग का अतिरिक्त प्रभार राजस्व मंत्री प्रमिला मल्लिक को तथा वित्त मंत्री निरंजन को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

अडानी मामले में कांग्रेस ने फिर दोहराई जेपीसी की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त एक्सपर्ट्स के पैनल ने भले ही अडानी ग्रुप को क्लीन चिट दे दी हो लेकिन कांग्रेस अब भी इस पूरे मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति की जांच की आवश्यकता पर जोर दे रही है। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति और सेबी ने अडानी समूह के लेन-देन की जांच करते समय महत्वपूर्ण तथ्यों की अनदेखी की। कांग्रेस का यह दावा सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति की एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि अडानी समूह की कंपनियों में शेयरों की कीमत में हेरफेर का कोई सबूत नहीं मिला है। इसी मामले में सेबी ने भी कहा था कि विदेशी संस्थाओं से मिलने वाले पैसे में कथित उल्लंघन की जांच में भी कुछ नहीं मिला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट को टैग करते हुए कहा, मोदानी ब्रिगेड सुप्रीम कोर्ट विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को क्लीन चिट (ऐसा नहीं है) के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है ।

समीर वानखेड़े को अगली सुनवाई तक कोर्ट से राहत

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के मुंबई के पूर्व ज़ोनल निदेशक समीर वानखेड़े को अगली सुनवाई तक सुरक्षा प्रदान की है, जो 8 जून को होगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने समीर वानखेड़े को निर्देश दिया कि जब भी एजेंसी द्वारा आवश्यकता हो जांच के लिए सीबीआई के सामने पेश हों। हाईकोर्ट ने वानखेड़े को राहत अगली सुनवाई तक जारी रखी। इसके साथ ही बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीबीआई को 3 जून, 2023 को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। वानखेड़े को बॉम्बे हाई कोर्ट ने शर्तों पर सुरक्षा प्रदान की है, और कहा है कि वह व्हाट्सएप के माध्यम से मामले से संबंधित कुछ भी प्रकाशित नहीं करे और उन्हें कोई प्रेस बयान नहीं देना चाहिए या सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। इससे पहले दिन में समीर वानखेड़े ने कहा था कि उन्हें और उनकी पत्नी को पिछले चार दिनों से धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरी पत्नी को पिछले 4 दिनों से धमकी मिल रही है।

पापुआ न्यू गिनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम देशों पर किया कटाक्ष

हमने जिन पर भरोसा किया, वे जरूरत पड़ने पर हमारे साथ खड़े नहीं हुए

नईदिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इस बात पर प्रकाश डाला कि ग्लोबल साउथ दुनिया में सबसे कमजोर होने के बावजूद, जिन पर उन्होंने भरोसा किया ने उन्हें जरूरत के समय मदद की पेशकश नहीं की। पापुआ न्यू गिनी में तीसरे भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, पीएम मोदी ने कहा, आज हम ईंधन, भोजन, उर्वरक और फार्मा की आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रहे हैं। जिन पर हमने भरोसा किया, वे साथ नहीं खड़े हुए। हमें जरूरत पड़ने पर। उन्होंने आगे कहा कि ग्लोबल साउथ के देश कोविड-19 महामारी के दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। भारतीय प्रधान मंत्री ने कहा, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, भूख, गरीबी और स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियां पहले से ही थीं। अब नई समस्याएं पैदा हो रही हैं। मुझे खुशी है कि भारत मुश्किल के समय में अपने मित्र प्रशांत द्वीप देशों के साथ खड़ा रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पापुआ न्यू गिनी के अपने समकक्ष जेम्स मारापे के साथ सोमवार को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। पापुआ न्यू गिनी की पहली यात्रा पर आए प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशांत द्वीपीय देश की प्राथमिकताओं के लिए भारत के सहयोग को दोहराया। उन्होंने पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल बॉब डाडे से भी अलग से मुलाकात की और उनसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोर्ट मोरेस्बी में इला बीच के किनारे स्थित ऐतिहासिक एपेक हाउस पहुंचे। प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।''

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मारापे के साथ बातचीत में मोदी ने गर्मजोशी से स्वागत करने तथा 'फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कॉरपोरेशन' के

तीसरे शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी के लिए भी अपने समकक्ष का आभार जताया। एफआईपीआईसी का गठन 2014 में प्रधानमंत्री मोदी की फिजी यात्रा के दौरान किया गया था। यह शिखर सम्मेलन ऐसे वक्त में हो रह है जब चीन क्षेत्र में अपनी सैन्य और कूटनीतिक ताकत बढ़ाने के प्रयास कर रहा है। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने अपने द्विपक्षीय संबंधों का जायजा लिया और व्यापार तथा निवेश, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण, कौशल विकास और सूचना प्रौद्योगिकी समेत विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने संबंधी कदमों और लोगों के बीच परस्पर संबंधों को बढ़ावा देने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

मारापे के साथ हाथ मिलाते हुए अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री जेम्स मारापे और मैंने काफी सार्थक बातचीत की जिसमें भारत और पापुआ न्यू गिनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों के हर पहलू पर चर्चा की गयी। हमने वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोग के तरीकों पर चर्चा की।'' बैठक के दौरान मोदी और मारापे ने तमिल में लिखी काव्य रचना 'तिरुक्कुरल' का पापुआ न्यू गिनी की टोक पिसिन में अनुवादित कृति का विमोचन भी किया। यह अनुवादित पुस्तक भाषाविद शुभा शशिंद्रन और पापुआ न्यू गिनी के वेस्ट न्यू ब्रिटेन प्रांत के गवर्नर शशिंद्रन मुथुवेल ने लिखी है। पुस्तक में प्रधानमंत्री मारापे का एक कथन भी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल बॉब डाडे से गवर्नमेंट हाउस में मुलाकात की।

डाडे ने देश की पहली यात्रा पर आए मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। बागची ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक गवर्नमेंट हाउस में गवर्नर जनरल सर बॉब डाडे से उत्साहपूर्ण बातचीत के साथ पापुआ न्यू गिनी में अपने दिन की शुरुआत की। उन्होंने भारत-पापुआ न्यू गिनी के संबंधों और दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी की महत्ता पर जोर दिया।'' विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की महत्ता तथा विकासात्मक साझेदारी समेत विभिन्न मुद्दों पर सार्थक विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर डाडे के साथ बैठक की तस्वीरें साझा कीं। मोदी ने कहा, ''पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल सर बॉब डाडे से मुलाकात शानदार रही। हमने दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।''

प्रधानमंत्री मोदी जापान से यहां पहुंचे, जहां उन्होंने जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया और दुनिया के कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। तीन देशों के अपने दौरे के दूसरे चरण में मोदी पापुआ न्यू गिनी पहुंचे हैं। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने हवाई अड्डे पर भारतीय प्रधानमंत्री का स्वागत किया और सम्मान के तौर पर मोदी के पैर छुए। आमतौर पर पापुआ न्यू गिनी सूर्यास्त के बाद आने वाले किसी भी नेता का औपचारिक स्वागत नहीं करता है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह अपवाद रहा और उनका औपचारिक स्वागत किया गया। एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन में 14 देशों के नेता भाग लेंगे। एफआईपीआईसी में कुक आइलैंड्स, फिजी, किरिबाती, मार्शल आइलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, नीयू, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी, समोआ, सोलोमन आइलैंड्स, टोंगा, तुवालू और वानुआतु शामिल हैं।

नये संसद भवन के उद्घाटन को लेकर खड़गे का जोरदार हमला

चुनाव जीतने के लिए दलित-आदिवासी का इस्तेमाल करती है भाजपा

नईदिल्ली। संसद भवन के उद्घाटन को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर कहा है कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से ही कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि नयी संसद के शिलान्यास के समय तत्कालीन राष्ट्रपति को नहीं बुलाया गया था, इस बार उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू को नहीं बुलाया गया है। खरगे ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी कहती है कि हम एससी/एसटी को महत्व देते हैं, लेकिन उन्हें महत्व और सम्मान नहीं देते हैं जहां इसे दिया जाना चाहिए। पीएम मोदी 28 मई, 2023 को वीडी सावरकर की जयंती वाले दिन 64,500 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र के साथ त्रिकोणीय आकार की चार मंजिला इमारत को नए संसद भवन को समर्पित करने वाले हैं। लोकसभा सचिवालय ने कहा कि स्पीकर ओम बिरला ने पिछले हफ्ते पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित किया।

राष्ट्रपति का पद महज प्रतीकात्मक

मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के नये भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि अगर ऐसा होता है तो इससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दिखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सरकार में राष्ट्रपति का पद महज प्रतीकात्मक बनकर रह गया है। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं, बल्कि राष्ट्रपति मुर्मू को करना चाहिए।

राजनीति लाभ लेने की कोशिश

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नए भवन का उद्घाटन करने वाले हैं। उद्घाटन को लेकर खरगे ने एक ट्वीट कर कहा था कि ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने दलित और

आदिवासी समुदायों से राष्ट्रपति इसलिए चुना ताकि राजनीतिक लाभ लिया जा सके। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित नहीं किया गया।

मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी इस समारोह के लिए आमंत्रित नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संसद भारतीय गणराज्य की सर्वोच्च विधायी संस्था है और राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद है। राष्ट्रपति मुर्मू सरकार, विपक्ष और हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करती हैं। वह भारत की प्रथम नागरिक हैं।

रिकार्ड समय में बना है भवन

बता दें, भारत का नया संसद भवन रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हुआ है। पीएम मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को इसकी आधारशिला रखी थी। नए संसद भवन का कंस्ट्रक्शन टाटा प्रोजेक्ट ने किया है, लेकिन इस बिल्डिंग को डिजाइन आर्किटेक्ट बिमल पटेल ने किया है। बिमल पटेल गुजरात के अहमदाबाद शहर से आते हैं। वो इससे पहले भी कई मशहूर इमारतों को भी डिजाइन कर चुके हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

प्लेऑफ में आज चेन्नई और गुजरात जायंट्स भिड़ेंगे

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग अब लीग स्टेज के बाद प्लेऑफ की स्टेज में पहुंच गई है। यानी इंडियन प्रीमियर लीग अपने अंतिम पड़ाव पर है। प्लेऑफ की शुरुआत 23 मई से होगी। इस बार प्लेऑफ में गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस ने जगह बनाई है। प्लेऑफ के लिए लीग स्टेज खत्म होने पर शीर्ष पर गुजरात टाइटंस, दूसरे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स, तीसरे पर लखनऊ और अंत में मुंबई इंडियंस रही। अब गुजरात और चेन्नई के बीच पहला क्वालीफायर मुकाबला खेला जाएगा। वहीं मुंबई और लखनऊ एलिमिनेटर के लिए भिड़ेंगी। आईपीएल का पहला क्वालीफायर 23 मई को चेन्नई के होम ग्राउंड चेपौक स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात जायंट्स आपस में भिड़ेंगे। इस मुकाबले में जीतने वाली टीम सीधे फाइनल का टिकट पक्का करेगी। वहीं जो टीम हारेगी उसको एक और मौका मिलेगा। वो लखनऊ और मुंबई के बीच होने वाले एलिमिनेटर मुकाबले में जीतने वाली टीम से दूसरे क्वालीफायर मैच में भिड़ेगी। बता दें की एलिमिनेटर मुकाबला 24 मई को चेन्नई के चेपौक स्टेडियम में होगा। इसके बाद 26 मई को गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्वालीफायर हारने वाली और एलिमिनेटर जितनी वाली टीम के बीच मुकाबला होगा। इसके बाद 28 मई को दोनों क्वालीफायर मुकाबला जीतने वाली टीमें फाइनल में ट्रॉफी के लिए भिड़ेंगी। विराट कोहली के लगातार दूसरे शतक पर शुभमन गिल की आकर्षक शतकीय पारी भारी पड़ गई, जिससे गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को रविवार को यहां छह विकेट से हराकर उसकी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आरसीबी की इस हार से मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में जगह बनाने वाली चौथी टीम बनी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 234 अंक चढ़ा निफ्टी 18,300 के पार

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी रही और क्स्श्व सेंसेक्स 234 अंक चढ़ गया। एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित क्स्श्व सेंसेक्स 234 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61,963.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 314.78 अंक तक उछल गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 111 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,314.40 अंक पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 19 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। टेक महिंद्रा, विप्रो, टीसीएस, एचसीएल टेक और इंफोसिस सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा टेक महिंद्रा के शेयरों को हुआ।

4 महीने का समय पर्याप्त आराम से बदलें नोट : गवर्नर

नईदिल्ली। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2000 रुपये के नोट बदलने के लिए 4 महीने का पर्याप्त समय मिला है। उन्होंने लोगों से कहा है कि पैनिक नहीं हो। नोट बदलने का डाटा तैयार करना होगा। उन्होंने एक पीसी में कहा कि मैं स्पष्ट करता हूं और फिर से जोर देता हूं कि यह रिजर्व बैंक के मुद्रा प्रबंधन संचालन का एक हिस्सा है। लंबे समय से, रिजर्व बैंक एक स्वच्छ नोट नीति का पालन कर रहा है। समय-समय पर आरबीआई एक विशेष श्रृंखला के नोटों को वापस लेता है और नए नोट जारी करता है। हम 2000 रुपये के नोटों को संचलन से वापस ले रहे हैं लेकिन वे कानूनी निविदा के रूप में जारी हैं। करेंसी मैनजेंमेंट सिस्टम के तहत हटाये गये 2000 के नोट-आरबीआई गवर्नर ने कहा कि 2000 के नोट को चलन से बाहर करना क्लीन नोट पॉलिसी का हिस्सा है।

छोटी कंपनियों के दबदबे वाले क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना की जरूरत नहीः जीटीआरआई

नईदिल्ली। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा है कि सरकार को छोटी कंपनियों के प्रभुत्व वाले चमड़े के जूते और हस्तशिल्प उत्पाद जैसे क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का लाभ नहीं देना चाहिए। जीटीआरआई का मानना है कि ऐसा होने पर कारोबार इन उद्यमों के हाथ से निकल सकता है। जीटीआरआई की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटी कंपनियों को प्रौद्योगिकी तक पहुंच या कम लागत के वित्त की जरूरत है, पीएलआई की नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य प्रसंस्करण या ऑटो जैसे क्षेत्रों में कई घरेलू विनिर्माता हैं। ऐसे में कुछ कंपनियों को पैसे देकर हम प्रतिस्पर्धा को अवरुद्ध करेंगे।

टीसीएस के गठजोड़ को बीएसएनएल से 15,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला

नईदिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की अगुवाई वाले गठजोड़ को भारत संचार निगम लि. से 4जी नेटवर्क लगाने का 15,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।टीसीएस ने सोमवार को बयान में कहा कि उसे बीएसएनएल से 15,000 करोड़ रुपये का 'अग्रिम खरीद ऑर्डर' मिला है। इस घोषणा के साथ ही कई महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शुरुआत से इस सौदे की दौड़ में आगे थी। टीसीएस देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक है। कंपनी की कुल आमदनी में घरेलू बाजार की हिस्सेदारी पांच फीसदी से अधिक है। बीएसएनएल मुंबई और नई दिल्ली को छोड़कर देशभर में फिक्स्ड लाइन और मोबाइल सेवाएं उपलब्ध कराती है।

नोटबंदी 2.0 : अर्थव्यवस्था और बाजार पर नहीं पड़ेगा बहुत असर

अजय बग्गा

भारतीय रिजर्व बैंक ने बीते दिनों घोषणा की कि वह दो हजार रुपये के सभी नोटों को प्रचलन से वापस ले रहा है और आगामी 30 सितंबर तक इसे बैंक से बदला जा सकता है। 2,000 रुपये की मुद्रा का प्रचलन नवंबर, 2016 में 500 और 1,000 रुपये के नोटों के विमुद्रीकरण के बाद अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रा की आवश्यकता तेजी से पूरी करने के लिए शुरू किया गया था। अपने बयान में रिजर्व बैंक ने बताया कि प्रचलन में रहे दो हजार रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 31 मार्च, 2018 को अपने चरम दौर में (तब 37.3 फीसदी नोट प्रचलन में थे) 6.73 लाख करोड़ रुपये था, जो 31 मार्च, 2023 तक घटकर 3.62 लाख करोड़ रुपये ही रह गया और मात्र 10.8 फीसदी नोट ही प्रचलन में रह गए। 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के नोटों की छपाई 2018-19 में बंद कर दी गई थी।

अभी जो दो हजार रुपये के 10.8 फीसदी नोट प्रचलन में हैं, वे किनके पास हैं? रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2023 तक 33.5 लाख करोड़ रुपये के नोट प्रचलन में थे। बैंकों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, उनमें से 1.03 लाख करोड़ रुपये बैंकों के पास हैं। इसलिए बैंकों के पास प्रचलित नोटों का मात्र तीन फीसदी से थोड़ा ज्यादा हिस्सा है, बाकी करीब 97 फीसदी नोट आम लोगों के पास हैं। यानी जनता के पास 3.51 लाख करोड़ रुपये के बराबर दो हजार रुपये के बैंक नोट होंगे। रियल एस्टेट, निर्माण, थोक व्यापार और ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी नकदी का उपयोग प्रचलित है। इसलिए इनमें से अधिकांश दो हजार रुपये के नोट इन क्षेत्रों के कारोबारियों के पास होंगे।

बड़ा सवाल यह है कि यह कदम क्यों उठाया गया और वह भी इस समय क्यों।

मार्च, 2018 से बैंकों को 2,000 रुपये के नोट जारी न करने का निर्देश दिया गया था। जब इन नोटों को बैंकों में जमा किया गया, तो इन्हें चुपचाप रिजर्व बैंक को वापस भेज दिया गया और अर्थव्यवस्था में पुनः परिचालित नहीं किया गया। मार्च, 2018 के बाद 2,000 रुपये के नए नोट नहीं छापे गए। इस तरह दो हजार रुपये के नोटों का प्रचलन घट गया।

रिजर्व बैंक ने इसके पीछे तीन कारण गिनाए हैं-पहला, इन नोटों का उपयोग दैनिक लेन-देन में नहीं किया जाता है। दूसरा, जरूरतें पूरी करने के लिए छोटे मूल्यवर्ग के नोटों की उपलब्धता पर्याप्त है और तीसरा, नकदी के उपयोग को यूपीआई और डिजिटल भुगतान के व्यापक उपयोग द्वारा पूरा किया जा रहा है।

नवंबर, 2016 में रातोंरात 86 फीसदी भारतीय मुद्रा के विमुद्रीकरण के बाद से अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखें, तो 12 मई, 2023 तक नोटों का प्रचलन वास्तव में 17.74 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 34.58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यानी %कैशलेस% अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के बजाय, अर्थव्यवस्था में नकदी का प्रवाह पिछले साढ़े छह वर्षों में दोगुना हो गया है। नोटों के प्रचलन में भारी वृद्धि इस तथ्य की ओर इशारा करती है कि शायद भ्रष्टाचार को कम करने और काली अर्थव्यवस्था के आकार को सफलतापूर्वक खत्म नहीं किया गया है। सब जानते हैं कि नकदी का उपयोग भ्रष्टाचार तथा आपराधिक गतिविधियों को छिपाने और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जाता है। नकदी के प्रचलन से आर्थिक गतिविधि का पता लगाना अधिक कठिन हो जाता है। नकदी लेन-देन का पता लगाना, सरकार के लिए कर संग्रह करना और अर्थव्यवस्था की निगरानी करना मुश्किल हो जाता है। भले ही छोटे लेन-देन यूपीआई और ई-कॉमर्स जैसे डिजिटल भुगतान नेटवर्क में स्थानांतरित हो गए हैं, पर अर्थव्यवस्था में नकदी में लगभग सौ फीसदी वृद्धि को देखते हुए यह स्पष्ट है कि काले धन के खिलाफ लड़ाई को और अधिक कठोर तथा नवीन बनाने की आवश्यकता होगी। 2,000 रुपये के नोटों को प्रचलन से बाहर रखने से अर्थव्यवस्था और बाजार पर बहुत ज्यादा असर पड़ने की आशंका नहीं है।

तुष्टीकरण के बीज से सांप्रदायिकता की फसल काटना महंगा पड़ेगा

राकेश सैन

अस्सी के दशक की बात है, शाहबानो नामक केस सामने आया। सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि जिस औरत को तिहरा तलाक दिया गया है, उसका पति गुजर बसर के लिए मुआवजा दे। कठमुल्लों ने इसे इस्लाम में हस्तक्षेप बताया। भीड़ आई, समर्थन आया तो गंगा में डुबकी लगाने राजीव गांधी भी पहुंच गए। उन्हें वहां सस्ती भीड़ मिली। राजीव ने संसद में एक कानून बनाकर न्यायालय के निर्णय को धोबीपटका दे दिया। भीड़ खुश हुई, मौलवी नाचे, इस्लाम वालों का माशा अल्लाह हुआ और राजीव जिंदाबाद हो गए लेकिन इस तुष्टीकरण का परिणाम क्या निकला? उत्तर है कि- मुसलमानों के एक वर्ग का तालिबानीकरण, जिहादी आतंक की तपिश, ट्रिपल तलाक के नाम पर बच्चियों का शोषण, कई दंगे जिनमें हजारों लाशें और इसके अलावा भी न जाने किस-किस रूप में इस नीति के विषैले फल हमने चखे। तुष्टीकरण बीज है तो सांप्रदायिकता फसल, दोनों परस्पर यूं जुड़ी हैं जैसे एक कोख जाई बहनें। क्या तब ऐसे लोग नहीं रहे होंगे, जिन्होंने उस तुष्टीकरण पर सवाल किया हो? निश्चित ही किया होगा, पर उन्हें 'इस्लामोफोबिक' कह नकारा गया होगा या उन पर सांप्रदायिकता का ठप्पा लगा दिया होगा। जिस तुष्टीकरण के चलते देश का विभाजन हुआ वही नीति न तो बंटवारे के बाद बंद हुई और राजनीतिक दलों की कुर्सी की भूख बताती है कि न ही निकट में इस पर विराम लगने की कोई संभावना दिखाई दे रही, चाहे इसके लिए कितना भी गम्भीर परिणाम भुगतना पड़ जाए। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने परम्परा अनुसार खुल कर तुष्टिकरण की चौसर खेली। राज्य की पूर्व भाजपा सरकार ने मुसलमानों को अन्य पिछड़ा वर्ग के कोटे से दिए जा रहे चार प्रतिशत आरक्षण की सुविधा वापिस ले ली। देश की छद्मधर्मनिरपेक्ष जाति ने न केवल इस पर हल्ला मचाया बल्कि मामला सर्वोच्च न्यायालय तक ले गए। संवैधानिक व्यवस्था के तहत धर्म के आधार पर आरक्षण की सुविधा नहीं दी जा सकती। भाजपा सरकार ने इस मुद्दे पर संवैधानिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया परन्तु कांग्रेस सहित तमाम छद्म धर्मनिरपेक्ष योद्धाओं ने इसे मुस्लिम विरोधी बता कर तुष्टिकरण का पुराना खेल खेलना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल व पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाने का भी वायदा किया। सभी जानते हैं कि पीएफआई एक आतंकी संगठन है जिसकी किसी भी तरह से बजरंग दल जैसे उस संगठन से तुलना नहीं की जा सकती जो देश की संवैधानिक मर्यादा के अनुकूल अपनी गतिविधियां संचालित करता है। सभी जानते हैं कि राष्ट्रवादी संगठन शुरू से ही कांग्रेस की आंखों की किरकिरी रहे हैं और पार्टी अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबन्ध की बात कर केवल मुस्लिम तुष्टीकरण का कार्ड खेल रही है। कुछ ऐसा ही लव जिहाद व जबरन धर्मांतरण विषयों को लेकर बनाई गई 'द केरल स्टोरी' को लेकर देखने को मिला। 'द केरल स्टोरी' सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल शाह द्वारा निर्मित फिल्म है। यह केरल की महिलाओं के एक समूह की कहानी है जो धर्मान्तरित होकर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एण्ड सीरिया में शामिल हो जाती हैं। फिल्म ने खुद को एक सच्ची कहानी के स्पष्ट चित्रण के रूप में प्रस्तुत किया है और यह बताया है दुनिया की हजारों महिलाओं को इस्लाम में जबरदस्ती परिवर्तित किया जा रहा है और आईएसआईएस में भर्ती किया जा रहा है। सिनेमघरों में उमड़ रही भीड़ बताती है कि देशवासियों को यह फिल्म खूब पसन्द आई है परन्तु तुष्टीकरण की पीठ पर सवार दलों ने इसका भी यह कहते हुए विरोध करना शुरू कर दिया कि फिल्म की कहानी मुसलमानों को बदनाम करने का काम कर रही है। विरोध करने वाले यह बताने में असमर्थ हैं कि आतंकी संगठन आईएसआईएस का पर्दाफाश करने वाली फिल्म इस्लाम के खिलाफ कैसे मानी जा सकती है? आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होने का ग्रामोफोन चलाते आ रहे हमारे धर्मनिरपेक्षतावादी क्या इस फिल्म का विरोध कर खुद ही आतंकवाद का इस्लाम से नाता तो नहीं जोड़ रहे? कर्नाटक में तुष्टीकरण के गरलमंथन से कांग्रेस पार्टी ने सत्ता तो हासिल कर ली, क्योंकि चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि इन चुनावों में मुसलमानों के थोक वोट कांग्रेस को मिले, जिससे जनता दल (एस) का पांच प्रतिशत मत खिसक कर कांग्रेस में मिल गया और वह चुनाव जीत गई।

जनता सीधे चुने मुख्यमंत्री- प्रधानमंत्री

मेजर सरस चंद्र त्रिपाठी (रि.)

कर्नाटक में कौन बनेगा मुख्यमंत्री को लेकर जिस तरह से पार्टी आलाकमान की भूमिका को सर्वोपरि रखा गया उससे एक बार फिर ये संवैधानिक सवाल खड़ा होता है कि अगर पार्टी की लीडरशिप ही मुख्यमंत्री तय करेगी तो फिर विधायकों का क्या रोल रह जाता है? क्या वो सिर्फ औपचारिकता पूरी करने भर के लिए होते हैं? संसदीय प्रणाली में प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री संसदीय दल या विधायक दल का नेता होता है। इसका चयन क्रमशः सांसद और विधायक ही करते हैं। लेकिन बीते कुछ दशकों में यह सिर्फ औपचारिकता भर रह गयी है। मुख्यमंत्री हो या प्रधानमंत्री इसका चयन पार्टी का हाईकमान करता है और बाद में विधायक या सांसद उस पर अपनी मोहर लगा देते हैं।

लोक सभा और विधान सभा चुनाव के बाद सरकार के गठन में ऐसी संविधानेतर समस्याएं आती रहती हैं। इसका कारण सरकार के संसदीय स्वरूप (कैबिनेट प्रणाली) में अंतर्निहित गंभीर खामियां हैं। वास्तव में यह बार-बार लोकतंत्र का मखौल उड़ाता रहा है। अनुच्छेद 74 (1) और 75 (1) में प्रधानमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद की नियुक्ति का प्रावधान है। यह आदेश देता है कि वह संसद के दोनों सदनों (लोकसभा या राज्यसभा) में से किसी का भी सदस्य हो सकता है, लेकिन लोकसभा में बहुमत रखने वाले संसदीय दल का चुना हुआ नेता होना चाहिए। सभी 28 राज्य भी बहुत मामूली फेर बदल के साथ, विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों के तहत एक ही प्रणाली का पालन करते हैं।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री चुनने के लिए जो हुआ है वह संसदीय प्रणाली की विफलता है। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री चुनने का अधिकार सांसदों या विधायकों के हाथ में न रहकर उस पार्टी की लीडरशिप के हाथ में चला गया है जो चुनाव जीतती है। यह संसदीय प्रणाली का सीधा उल्लंघन है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री का चुनाव सीधे जनता द्वारा हो तो ऐसी समस्या कभी नहीं आयेगी। वर्तमान संसदीय व्यवस्था में किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत न होने की स्थिति में भ्रष्टाचार के लिए उर्वर जमीन साबित हुई है। क्षति इतनी अधिक है कि इसकी पूर्ण सीमा को कभी भी मापा नहीं जा सकता है। 1989 से 2014 तक, 25 वर्षों के लिए, भारत ने भारी उथल पुथल का सामना किया। इन 25 वर्षों के दौरान हमने पांच की बजाय आठ लोकसभा देखी। लोकसभा का औसत जीवन केवल तीन वर्ष था। अगर हम 1989 से 1999 तक देखें, तो दस साल के अंतराल में हमने पांच लोकसभा देखी। एक लोक सभा का औसत जीवन केवल दो वर्ष था। यही स्थिति कमोवेश राज्य विधानसभाओं की रही है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश इत्यादि इस व्यवस्थागत असफलता के उदाहरण रहे हैं। इसका कारण यह है कि संसदीय सरकार या कैबिनेट फार्म ऑफ गवर्नेंस में बहुत गंभीर खामी है और करीब 72 साल का अनुभव मीठा से ज्यादा कड़वा रहा है। दूसरा, यह लोकतंत्र के मूल उद्देश्य और भावना को पराजित करता है, क्योंकि यह प्रत्यक्ष लोकतंत्र नहीं है, जहां हम, भारत के लोग शासन करने के लिए अपनी पसंद के व्यक्ति को चुन सकते हैं। तीसरा, यह एक अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है जहां सांसदों/विधायकों के पास वास्तविक शासक को चुनने, बदलने, गद्दी पर बिठाने या गद्दी से उतारने की पूरी शक्ति होती है। लेकिन व्यावहारिक रूप से अब वो भी अप्रांसगिक ही हो गये हैं। संसदीय दल के नेता का चुनाव अब पार्टी करती है और विधायक सांसद सिर्फ वोट देकर उसे चुनने की औपचारिकता करते हैं। इसलिए अब यह भी नहीं कहा जा सकता कि जनता विधायक चुनती है और चुने हुए विधायक मुख्यमंत्री। अतीत में हम ये कह सकते थे कि सांसदों/विधायकों के पास इतनी शक्ति थी वो अपना संसदीय नेता चुन सकते थे। उसे हम भले ही कुलीनतंत्र कह दें लेकिन सीमित अर्थों में ही सही जनता की भावनाओं का ध्यान रखा जा सकता था। लेकिन अब तो सीधे पार्टी ही मुख्यमंत्री नियुक्त कर रही है जिसमें विधायकों की सहमति लेना या न लेना, उसके मन पर निर्भर करता है। इसके कारण अब संसदीय प्रणाली गुटबाजी की जगह बन गयी है।

इस प्रणाली में राज्यपाल के पास केंद्र सरकार या अपनी पार्टी के निर्देश पर हेरफेर करने की भरपूर क्षमता होती है। यह सिस्टम अस्थिर सरकार प्रदान करता है, खासकर जब यह गठबंधन हो। अस्थिरता लंबी अवधि की योजना, वृद्धि, विकास को बाधित करती है। यह भ्रष्टाचार और अनैतिकता को बढ़ावा देता है। यह सांसदों/विधायकों के सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त के लिए पर्याप्त अवसर देता है जो आगे और बड़े भ्रष्टाचार की ओर ले जाता है। यह प्रणाली भ्रष्टाचार का स्रोत है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में सरकार बनने से पहले ही भ्रष्टाचार शुरू हो जाता है। तब हर निर्दलीय सांसद/विधायक अपने समर्थन के बदले केक का ज्यादा से ज्यादा और बड़ा टुकड़ा लेना चाहता है। सांसदों/विधायकों को चुन लेने के बाद, सरकार के गठन में हम, भारत के लोगों का कोई नियंत्रण या भूमिका नहीं रह जाती है। हमें ऐसा प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री मिलता है जिसे बहुसंख्यक पसंद नहीं कर सकते हैं, या हम ऐसे प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री से वंचित हो सकते हैं जिन्हें बहुसंख्यक पसंद करते हैं।

लोकसभा या राज्य विधानसभा के भंग होने के कारण मध्यावधि चुनाव के माध्यम से यह अक्सर सरकारी खजाने और अन्य संसाधनों पर परिहार्य भारी बोझ डालता है। गठबंधन सरकारों में मंत्रियों के चयन/नियुक्ति में समझौता किया जाता है। पीएम/सीएम को उन सभी को समायोजित करना होता है जिन्होंने अपना समर्थन दिया है, भले ही वे उपलब्ध प्रतिभाओं में से सबसे अच्छी प्रतिभा न हों। इनमें से अधिकांश गठबंधन सरकारें सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम पर चलती हैं। जब निर्धारित और स्वीकृत एजेंडा ही सामान्य न्यूनतम है तो वे अधिकतम कैसे प्राप्त कर सकते हैं। यही कारण है कि इनमें से अधिकांश सरकारें नीतिगत पक्षाघात से पीड़ित रहती हैं। लोकतंत्र के संसदीय स्वरूप की वर्तमान प्रणाली में कार्यपालिका और विधायिका एक-दूसरे पर अतिक्रमण करती दिखती हैं। यह सच्चे लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। लोकतंत्र के सभी तीन स्तंभ, अर्थात कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को यथासंभव एक दूसरे से स्वतंत्र होना चाहिए। ऐसे में संसदीय दल या विधायक दल द्वारा नेता चुने जाने की बजाय जनता द्वारा सीधे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का चुनाव हो तो दोनों समस्याओं का समाधान हो सकता है। पहले तो लोक सभा या विधानसभा में बहुमत का चक्कर समाप्त हो जायेगा। दूसरे, मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका प्रश्न पैदा ही नहीं होगा। वरना लगभग हर चुनाव के बाद यह झगड़ा चलता रहेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? हालांकि भारत की संसदीय प्रणाली में ऐसा करने के लिए सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि व्यावहारिक समस्याएं भी सामने आयेंगी। लेकिन जब हम देख रहे हैं कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति भी जनता द्वारा चुने हुए विधायक नहीं कर सकते, बल्कि पार्टियां करने लगी हैं तो फिर क्यों न जनता सीधे ही अपना मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुने?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

अक्ष्युपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

ये हजारों रश्मि समूह वाले सैकड़ों रूपों में विद्यमान सूर्यदेव सभी प्राणियों के समक्ष प्रकट हो रहे हैं। हमारे चक्षुओं के प्रकाशरूप अदितिपुत्र भगवान् सूर्य को प्रणाम है। दिन के वाहक, विश्व के वहनकर्तृता सूर्यदेव के लिए हमारा सर्वस्व समर्पित है। इस चाक्षुष ती विद्या से अर्चना किये जाने पर भगवान् सूर्यदेव अति हर्षित हुए और कहने लगे जिस ब्राह्मण द्वारा इस चाक्षुष्मती विद्या का पाठ प्रतिदिन किया जाता है, उसे नेत्ररोग नहीं होते और न उसके वंश में कोई अंधत्व को प्राप्त करता है। आठ ब्राह्मणों को इस विद्या का ज्ञान करा देने पर इस विद्या की सिद्धि होती है। इस प्रकार का ज्ञाता महानता को प्राप्त करता है।

सूर्यदेव को प्रतिरूप और विश्वरूप कहा गया है। विज्ञान के अनुसार हम जो कुछ भी देखते हैं, उसका रूप उसके द्वारा किए जा रहे प्रकाश के परावर्तन (रिफलैक्शन) के कारण ही है। इसलिए उन्हें प्रतिरूप कहा जाता है। दिन में सूर्य के प्रकाश में हम जो भी रूप देखते हैं, वे सब प्रकारान्तर से सूर्य के प्रकाश के ही विविध रूप हैं। इसलिए सूर्य को विश्वरूप कहा गया है। उसके बाद सांकृति ऋषि ने भगवान् सूर्य से कहा-भगवन् ! मुझे ब्रह्मविद्या का उपदेश करें। आदित्य देव ने उनसे कहा- सांकृते! आपसे अतिदुर्लभ तत्त्वज्ञान का विवेचन मैं करने जा रहा हूँ, उसे ध्यान से सुनें, जिसका ज्ञान प्राप्त कर लेने पर आप जीवन्मुक्त हो जाएँगे।

आप समस्त प्राणिमात्र को एक अजन्मा, शान्त, अनन्त, ध्रुव, अव्यय तथा तत्त्वज्ञान से चैतन्यरूप देखते हुए शान्ति और सुख पूर्वक रहें। अवेदन अर्थात् आत्मा-परमात्मा के अतिरिक्त अन्य किसी का आभास न हो- इसी का नाम योग है, यही यथार्थ चित्तक्षय है। इसलिए योग में स्थित होकर कर्तव्य कर्मों का निर्वाह करें, कर्म करते हुए नीरसता विरक्तता न आने पाए। अवेदन- योग की पहली भूमिका इस प्रकार है) योग की ओर प्रवृत्त होने पर अन्तःकरण दिन- प्रतिदिन वासनात्मक चिन्तन से दूर होता जाता है। साधक नित्य ही परमार्थ कर्मों को करता हुआ हर्ष का अनुभव करता है। जड़ मनुष्यों की अश्लील भोग प्रवृत्तियों (ग्राम्य चेष्टाओं) से वह हमेशा जुगुप्सा (घृणा) को प्राथमिकता देता है वह भूमिकावान् कहा जाता है और शेष आर्य (दूसरों की तुलना में श्रेष्ठ) कहे जाते हैं। जो योग की दूसरी विचार भूमिका से युक्त हैं, उनके लक्षण इस प्रकार से हैं) करता है।

क्रमशः ...

सेवा व परोपकार में ही समर्पित रहा गुरु अर्जुन देव जी का पूरा जीवन

सुखी भारती

दिव्य युग पुरुष, शान्ति के पुंज श्री गुरू अर्जुन देव जी सिखों के पाँचवें गुरू हैं। आप जी का जन्म 15 अप्रैल 1563 को श्री गुरू रामदास जी के घर व माता भानी जी की कोख से गोइंदवाल, जिला अमृतसर में हुआ। वे गुरू रामदास जी के सब से छोटे पुत्र थे। पृथी चंद व महादेव जी इनके बड़े भाई थे। आप जी को 18 साल की उम्र में, सन् 1581 को गुरगद्दी की प्राप्ति हुई।

शहीदों के सिरताज श्री गुरू अर्जुन देव जी एक महान विभूति संत सतगुरू, कवि थे। जिन्होंने सच्ची गुरबाणी की रचना कर व ऊँची कुर्बानी से सुनहरे, अविस्मरीणय व अदभुत इतिहास का सृजन किया। श्री गुरू अर्जुन देव जी द्वारा संपादित श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी जिसे गुरबाणी जग महि चानण व सर्व सांझी गुरबाणी कहा जाता है। इस अमोलक ग्रन्थ से प्रत्येक जाति, वर्ग व सम्प्रदाय प्रेरणा प्राप्त कर सकता है। इसके द्वारा हिन्दु को प्रभु के दर्शन होते हैं, मुसलमान को खुदा व सिख को अकाल पुरख के। इस महान ग्रन्थ में हरि 8344 बार, प्रभु 1371 बार, ठाकुर 216 बार, राम 2533 बार, गोपाल 491 बार, नारायण 85 बार, अल्लाह 49 बार, वाहेगुरु 16 बार, पारब्रह्म 324 बार, एवं करतार 220 बार आया है। गुरु ग्रन्थ साहिब जी में 31 रागों में बाणी दर्ज है। 13 प्रदेशों की भाषाओं का प्रयोग किया गया है। 6 गुरुओं श्री गुरू नानक देव जी से लेकर 5वें गुरू श्री गुरू अर्जुन देव जी व नौवें गुरु श्री गुरू तेग बहादुर जी की बाणी अंकित है, 15 जातियों के भक्त, 4 संत, 11 भट्टों की वाणी दर्ज है। सुखमनी साहिब गुरू जी द्वारा रचित बाणी है, जिसे पढ़ने, सुनने, चिंतन करने से सब दुःख तकलीफों से छुटकारा मिलता है। संक्षिप्त में कहा जाए तो श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी में दर्ज, महापुरुषों की पवित्र वाणी से संपूर्ण मानव जाति जीवन जीने की कला, भक्ति-शक्ति, सेवा, समर्पण, परोपकार इत्यादि जैसे विलक्षण गुणों का अमृत प्राप्त करती है। श्री गुरूदेव जी की बहुआयामी शख्सियत अवर्णनीय है। वे महान गुरू हैं जिन्होंने सामाजिक भलाई व परमार्थ द्वारा मानवता की सेवा कर विश्व को नई रौशनी प्रदान की। वे महान कवि हैं जिनकी लेखनी ने भारतीय संत काव्य में एक विशेष सुहृदयता व सुंदरता फूंक दी। 43 साल की छोटी सी आयु में इस युग पुरुष ने इतिहास, धर्म, साहित, समाज, संस्कृति व कला क्षेत्र में जो योगदान प्रदान किया वो अद्वितीय है। उन्होंने श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी में बाहरवीं सदी से लेकर सोहलवीं सदी तक के पांच सौ वर्षीय संत साहित्य को संपादित कर, भारतीय संस्कृति पर एक महान उपकार किया। उन्होंने धर्म के लिए अपनी कुर्बानी देकर यह सिद्ध कर दिया कि एक सच्चा संत कैसे जालिम, जुल्म व अत्याचार के खिलाफ स्वयं को कुर्बान कर सकता है। अहिंसा, हिंसा पर विजय प्राप्त कर कैसे सत्यमेव जयते के सिद्धांत को बरकरार रख सकती है। श्री गुरूदेव जी की सर्व गुण सम्पन्न शख्सियत में सद्गुरु, सुधारक, शान्ति के पुंज, सुजान संपादक, संगीतकार, शायर व विलक्षण शहीद का, अनोखा संगम देखने को मिलता है। सुखमनी साहिब श्री गुरू अर्जुन देव जी की शाहकार रचना है। सिर्फ पंजाबी ही नहीं अपितु भारतीय कवियों में उनका शिरोमणी स्थान है। उन्होंने अपना समस्त जीवन सेवा व परोपकार में ही व्यतीत किया। लोगों के सुख आराम के लिए बाग, बावड़ीयां, सराय, ताल-तालाब, दवाखाने व लंगर लगाने की सेवा ताउम्र की।

पोलिटिकल गिरगिट बनाम फौज की डेमोक्रेसी

संजय तिवारी

अगर किसी ने हॉलीवुड की रेसिडेन्ट ईविल मूवी सीरीज की कोई भी मूवी देखी हो तो उसे समझते देर नहीं लगेगी कि फिल्म के पर्दे से बाहर पाकिस्तान वास्तविक अर्थों में जॉम्बीलैण्ड बन चुका है। वो क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, उन्हें नहीं पता लेकिन कर रहे हैं। मानों पाकिस्तान में इस समय चारों ओर बिना सिर वाले धड़ घूम रहे हैं। क्या किसी लोकतांत्रिक देश में ऐसा होता है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के चुनाव आयोग को आदेश दे कि आप फलां जगह पर चुनाव करवाइये। वह भी स्वतः संज्ञान लेकर। कोई व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट नहीं गया कि हुजूर फलां राज्य में चुनाव करवाने के लिए सरकार को आदेश दीजिए। दुनिया के किसी देश में खुद ब खुद सुप्रीम कोर्ट ऐसी पहल नहीं किया करती। वो कानून की समीक्षक होती हैं, कानून की निर्माता नहीं। लेकिन अगर मामला पाकिस्तान जैसे जम्हूरी (जमूरा भी पढ सकते हैं) मुल्क का हो तो कुछ भी हो सकता है।

पाकिस्तान के चीफ जस्टिस उमर अता बांडियाल को चीफ जस्टिस इमरान खान की सरकार ने बनाया था। उनका परिवार इमरान खान की पार्टी में सक्रिय है। ऐसे में अगर इमरान खान पंजाब में चुनाव की मांग कर रहे थे तो सुप्रीम कोर्ट में बैठे बांडियाल ने अपना फर्ज समझा कि वो इमरान खान की मदद करें। अतः उन्होंने अपने मन से पाकिस्तानी चुनाव आयोग को आदेश दे दिया कि 15 मई तक पंजाब में चुनाव संपन्न करवायें और शरीफ सरकार से कहा कि पैसा जारी करें। 15 मई की तारीख करीब आती उससे पहले 9 मई आ गयी। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेन्ट (पीडीएम) एलांयस के तहत चलने वाली सरकार ने भ्रष्टाचार के मामले में इमरान की घेरेबंदी शुरु कर दी। 9 मई को जब इमरान खान जमानत के लिए इस्लाबाद हाईकोर्ट पहुंचे तो वहीं से पाकिस्तानी रेन्जर्स ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इमरान को इसका अंदेशा पहले से था इसलिए कोर्ट

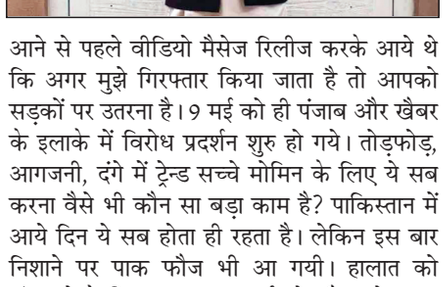

आने से पहले वीडियो मैसेज रिलीज करके आये थे कि अगर मुझे गिरफ्तार किया जाता है तो आपको सड़कों पर उतरना है। 9 मई को ही पंजाब और खैबर के इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरु हो गये। तोड़फोड़, आगजनी, दंगे में ट्रेन्ड सच्चे मोमिन के लिए ये सब करना वैसे भी कौन सा बड़ा काम है? पाकिस्तान में आये दिन ये सब होता ही रहता है। लेकिन इस बार निशाने पर पाक फौज भी आ गयी। हालात को संभालने के लिए तत्काल 10 मई को फौज को उतारा गया। इधर इमरान खान की रहम पर पाकिस्तान के चीफ जस्टिस बने उमर अता बांडियाल ने एक बार फिर अपना एहसान चुकाते हुए इमरान खान की गिरफ्तारी को गैर कानूनी करार दे दिया।

इस तरह इमरान बनाम फौज का जो खेल अभी शुरु ही हुआ था, उसमें इमरान खान ने बांडियाल की मदद से 1-0 से बढ़त ले ली। लेकिन बाकी पाकिस्तान भी इतनी जल्दी हार तो नहीं माननेवाला था। फौज और पीडीएम इस समय एक पलड़े पर हैं। वही फौज जिसके ऊपर पांच छह साल पहले आरोप था कि उसने चुनाव में धांधली करके इमरान खान को प्रधानमंत्री बनवा दिया था, अब इमरान खान के ही खिलाफ है। तमाशा तो ये कि जो फजलुर्रहमान अपनी मजहबी फौज लेकर बीते चार पांच साल से असली फौज के खिलाफ रैलियां कर रहे थे, आज पाकिस्तानी फौज के साथ खड़े हैं। इमरान खान को हटाने के लिए फौज की मदद से जिस पीडीएम का गठन किया गया उसके चेयरमैन यही मौलाना फजलुर्रहमान ही हैं। वैसे तो फजलुर्रहमान की सियासी हैसियत बहुत बड़ी नहीं है और नेशनल असेम्बली में उनके 14 मेम्बर ही हैं लेकिन उनके पास इतनी बड़ी ट्रेन्ड मजहबी फौज जरूर है जो एक आदेश पर काला सफेद झंडा लेकर कहीं भी सड़क जाम कर सकती है। जब बांडियाल ने इमरान खान को रिहा कर दिया तो इन्हीं की मजहबी फौज 15 मई को सुप्रीम कोर्ट का घेराव करने पहुंच गयी थी। फिलहाल वो पॉलिटिक्स में फौज के दखल वाली बात भूल गये हैं और अपने इकलौते राजनीतिक दुश्मन इमरान खान को निपटाने के लिए किसी के साथ भी जाने को तैयार हैं। फौज जिसके ऊपर 9 मई को रावलपिंडी से लेकर लाहौर तक इमरान खान के पीटीआई कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया था, अब बदला लेने का वक्त उसका था। पीटीआई वर्करों ने फौजी कमांडरों के घरों पर तोड़फोड़ ही नहीं की बल्कि उनके फ्रीज में रखे पिज्जा, कोका कोला, कीमा गोश्त तक चुरा ले गये थे। पाकिस्तानी फौज के लिए ये अल कादिर ट्रस्ट के जरिए 50 अरब रूपये के गबन से भी बड़ा अपराध था जिसकी सजा फौज को सुनानी ही थी। फौज ने अपने विशेषाधिकारों का इस्तेमाल करते हुए 16 मई से पीटीआई वर्करों पर क्रैकडाउन शुरु कर दिया। पाकिस्तानी फौज के पास अपना कानून है और अपनी कचहरी भी। उनके विशेष कानूनों में एक कानून ये भी है कि वो आम नागरिक पर भी अपनी ओर से केस दर्ज कर सकती है। कहा ये जाता है कि इस कानून को 2019 में खत्म कर दिया गया है लेकिन इस समय पाकिस्तान में कानून को पूछ कौन रहा है? यहां भी फौज ने उसी %विशेषाधिकार% का प्रयोग कर अपने ऊपर हुए हमले के खिलाफ खुद ही एफआईआर लिखी और खुद ही कार्रवाई शुरु कर दी। मतलब अब एक बार फिर इमरान खान और उनके दंगाई समर्थकों की गिरफ्तारी की जा सकती है, और इस बार सुप्रीम कोर्ट भी कहीं आड़े नहीं आयेगा।

17 मई की रात इमरान खान और उनके समर्थकों को 24 घण्टे का अल्टीमेटम दिया गया कि या तो वह अपने आपको फौज के हवाले कर दे या फिर नतीजा भुगतने के लिए तैयार रहें। अब क्योंकि सैन्य कार्रवाई के लिए पर्याप्त कारण होने चाहिए इसलिए फौज की ओर से ये दावा भी किया गया कि लाहौर के जमान पार्क वाले घर में इमरान खान ने 30 से 40 आकंकवादी छिपा रखे हैं। हालांकि 24 घण्टे की समयसीमा बीत जाने के बाद भी इमरान खान के जमान पार्क वाले घर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई लेकिन आगे भी नहीं होगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। यहां हम सबको यह समझना चाहिए कि पाकिस्तान की असली मालिक फौज इसलिए नहीं है कि फौज बहुत ताकतवर है। बल्कि फौज पाकिस्तान की असली मालिक इसलिए है क्योंकि वहां के लोगों की आस्था जितनी अल्लाह में है उससे कम फौज में नहीं है। वो किसी देश के सैनिक भर नहीं है जो बैरकों में बैठकर युद्ध होने की प्रतीक्षा करें। वो इस्लामिक मुल्क की आन बान शान हैं जिन्हें इस्लाम के नाम पर बने मुल्क और उसमें रहने वाले मुसलमान, दोनों की हिफाजत करनी है। इसलिए अगर पाकिस्तान में कोई फौज से टकरायेगा तो अवाम उससे टकराने वाले का साथ छोड़कर फौज के साथ चली ही जाएगी। देर से ही सही इमरान खान को यह बात समझ में आ गयी है। 18 मई को उनके कार्यकाल में नियुक्त किये गये सदर ए पाकिस्तान आरिफ अल्वी ने फौज की ओर समझौता भरा संकेत भेजा कि फौज के जनरल की पोस्ट पर आसिफ मुनीर की नियुक्ति होने पर इमरान खान को कोई आपत्ति नहीं है। देर शाम इमरान खान ने भी हथियार डालते हुए कह दिया कि मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वो लोग (फौज के लोग) मुझसे इतना गुस्सा क्यों हैं?

बापू की दिनचर्या

रोगी-सेवा और चिकित्सा (भाग-3)

गतांक से आगे...

उनका देखना और पूछना मात्र औपचारिक नहीं होता, बल्कि रोगी की शारीरिक तथा मानसिक स्थिति का सहानुभूतिपूर्वक वे अध्ययन करते, जिससे उसका आधा रोग भाग जाता। वे कितने भी कार्यव्यस्त क्यों न रहते, रोगी के लिए जरूर समय निकाल लेते। स्वयं अस्वस्थ रहने पर भी वे नियमित रूप से बीमारों को देखने जाते। अगस्त सन् % 38 में महिलाश्रम (वर्धा) के एक भाई को, जो उन दिनों सख्त बीमार थे, देखने के लिए वे सेवाग्राम से चार-पाँच मील पैदल चलकर जाते । बरसाती मौसम था और ऊबड़-खाबड़ रास्ता होने के कारण उनके पैरों में काँटे चुभ जाते। समय कम होता और रोगियों की संख्या बढ़ जाती, तब वे दूसरे स्थान पर तेजी से दौड़कर पहुँचते। एक से एक बार बापू अत्यंत व्यस्त तथा प्रवास की स्थिति में होने पर भी, संभवतः सन् 1926 में, घनश्यामदास जी बिडला के आग्रह पर दिल्ली से लगभग दस मील दूर उनकी मरणासन्न धर्मपत्नी को देखने गए। वे क्षय से पीड़ित थीं और बापू के दर्शनार्थ बहुत बेचैन थीं। अपनी इच्छा पूरी न होने की धारणा के कारण, बापू को देखते ही वे हक्की-बक्की रह गईं, उनकी आँखों में आँसू छलछला उठे। बापू ने उनको सांत्वना दी। अपनी अंतिम इच्छा पूर्ण हो जाने से उन्हें संतोष मिला। कुछ दिनों बाद उन्होंने शांतिपूर्वक शरीर छोड़ा। घनश्याम दास जी के ये शब्द उक्त प्रसंग से भी अधिक मार्मिक हैं-हम भूखे को अन्न देते हैं, प्यासे को पानी देते हैं, उसका माहात्म्य है। एक मरणासन्न प्राणी है। अंतिम घड़ियाँ गिन रहा है और चाहता है कि एक पूज्य व्यक्ति के दर्शन कर लूँ। इस दर्शन से भूखे रोगी की तृप्ति होती है, उसे संतोष दान मिलता है। इस दान का माहात्म्य कितना होगा? सन् 45 में सर पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास के निवासस्थान पर बापू उनको देखने गए। वे अस्वस्थ थे। उस समय उनकी एक नर्स ने बापू को लक्ष्य कर कहा था कि यदि बीमारपुरसी के लिए आनेवाले सभी लोग ऐसे ही हों तो मैं निश्चित रूप से कह सकती हूँ कि रोगी को स्वास्थ्य लाभ कराने में डॉक्टरों की अपेक्षा वे अधिक उपयोगी सिद्ध होंगे। द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के समय लंदन में अस्पताल में भरती एक नेत्रहीन व्यक्ति ने बापू से मिलने की इच्छा प्रकट की। एक अपंग व्यक्ति भी उनसे मिलने को उत्सुक था। पक्षाघात के कारण चलना-फिरना उसके लिए संभव नहीं था।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

आंदोलनरत पहलवानों के समर्थन में भिलाई में हुआ प्रदर्शन

भिलाई। अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता महिला खिलाडियों के यौन शोषण के आरोपों पर अपराधियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई कर गिरफ्तारी के लिए आवाज उठाने भिलाई के नागरिक समाज की ओर से एक दिवसीय प्रदर्शन रविवार की शाम सिविक सेंटर चौक पर हुआ। मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल और दुर्ग भिलाई सिविल सोसायटी की इस संयुक्त पहल के दौरान आरोपी बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की गई। प्रदर्शनकारी अपनी मांगों के संदर्भ में कई तख्तियां लिए हुए थे। इस प्रदर्शन में एल उमाकांत, विश्वास मेश्राम, सुनील रामटेके, विश्वरत्न सिन्हा, प्रभाकर खोबरागड़े, मिर्जा हफीज बेग, चित्रसेन कोसरे, आनंद रामटेके, सविता मेश्राम, प्रदीप सोमकुवर, योगेश सहारे, विजय कुमार जांगड़े, दशरथ अहिरवार, शैलेश डोंगरे, भूषण नादिया, गौतम कुमार, अनिल कांबले, भारती खांडेकर, वर्षा मेश्राम, विलास राउलकर, शायर मुमताज, मीरा नंदेश्वर और कमल मेश्राम सहित अनेक लोगों की भागीदारी रही।

भारतीय जैन संघटना की जिला अध्यक्ष पूजा ने किया रक्तदान

कोंडागांव। भारतीय जैन संघटना कोंडागांव के द्वारा हाल में ही कुछ दिन पहले रक्त दान शिविर आयोजित किया गया था, तब जिला अध्यक्ष पूजा गोलछा ने बड़ चढ़ कर महिलाओं को रक्त दान करवाया था और खुद भी अपना रक्त देने के लिए तैयार रही लेकिन जब रक्त जांच करवाया तब रिपोर्ट में जब बी निगेटिव रक्त जांच में आया तो जिला अस्पताल की टीम के द्वारा बी निगेटिव रक्त होने के कारण मना कर कहा कि, रक्त अभी काम नहीं आएगा क्योंकि नेगेटिव रक्त बहुत कम लोगों का होता हैं अगर हम निकाल भी लेंगे तो भी जरूरत मंद मरीज नही आएंगे तो बी निगेटिव रक्त काम नहीं आएगा और फिर आपके द्वारा दिया गया। बड़े डोंगर के भंडारवंडी की महिला दमयंती नेताम जिसकी डीलवरी के समय रक्त की ज़रूरत थी, तब अस्पताल से फोन आते ही बड़े ही खुशी महसूस करते हुए तुरंत अस्पताल पहुंच कर रक्त दान किया।

प्लांट में लगी भीषण आग, 6 मजदूर बुरी तरह झुलसे

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के मस्तूरी में आगजनी की बड़ी घटना हुई है.पराघाट स्थित राशि स्टील एंड पॉवर लिमिटेड में आचनक आग लग गई है. आग लगने से दहशत का माहौल बना हुआ है. इस आगजनी में 6 मजदूर बुरी तरह से झुलस गए हैं. घायलों को अस्पताल में तुरंत भर्ती कराया गया. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है. फ्लिहाल, आग लगने का कारण अज्ञात है।

व्याख्याता कमलेश कुमार तिवारी को मिली पीएचडी की उपाधि

धमतरी। शासकीय नत्थूजी जगताप नगर पालिका निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमतरी में पदस्थ व्याख्याता एवं टी.पी. तिवारी सेवानिवृत्त पर्यवेक्षक जिला सहकारी बैंक धमतरी के सुपुत्र कमलेश कुमार तिवारी को कॉमर्स विषय में मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। कमलेश कुमार तिवारी द्वारा छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड प्रदान की किफायती आवास की आर्थिक प्रभावशीलता पर एक अध्ययन (रायपुर छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में सन 2008 से 2018 तक) शोध निर्देशक डॉ उमेश गुप्ता प्राध्यापक एवं संस्था प्रमुख वाणिज्य विभाग मैट्स विश्वविद्यालय के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया व जिले को गौरवान्वित किया। कमलेश कुमार तिवारी को पीएचडी उपलब्धि प्राप्त होने पर जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग धमतरी, जिला शिक्षा अधिकारी बृजेश बाजपेयी, प्राचार्य श्रीमती विनीता पवार, पूर्व प्राचार्य अशोक पवार एवं विद्यालय परिवार, श्रीमती साक्षी तिवारी संचालक करियर पॉइंट, सर्व ब्राह्मण समाज धमतरी एवं सभी विद्यार्थियों, रिश्तेदारों व मित्रों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी हैं।

नकली समान के साथ व्यापारी गिरफ्तार, लाखों का माल जप्त

बिलासपुर। नकली सामान बेचने का धंधा करने वाले एक व्यापारी पर बिलासपुर पुलिस ने रेड कर कार्रवाई की है। पुलिस ने व्यापार विहार स्थित नरेश ट्रेडिंग के मालिक कमलेश मखीजा को नकली आयोडेक्स, इनो, आल आउट, ब्लैक हिट के अवैध व्यापार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से नकली ईनो 3000 पैकेट, ब्लैक हिट 100 आयोडेक्स 150, ऑल आउट 500 जब्त किए है। जिसकी कुल कीमत 1।60 लाख रूपए बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी कमलेश मखीजा पिता भाखचंद माखीजा उम्र 42 वर्ष निवासी सिंधी कॉलोनी बिलासपुर में रहता है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष सिंह (भा।पु।से) के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल (भा।पु।से।) के मार्गदर्शन में,ष्ट बिलासपुर प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र वैष्णव के नेतृत्व में व्यापार विहार स्थित नरेश ट्रेडिंग सेंटर में डुप्लीकेट सामान के विरुद्ध सफल रेड कार्रवाई की गई। प्रार्थी रोहित जायसवाल मैसर्स द्वारा अधिकृत हेलॉन/जीएसके सीएच कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और पेटेंट उल्लंघन की जांच पता और पूरे भारत में उत्पादों की प्रामाणिकता की पुष्टि करने के लिए अधिकार प्रदान करने वाला प्रासंगिक पीओए एलओए प्राप्त कर रेड कार्रवाई किया गया है।

मुख्यमंत्री ने रामपुर विस क्षेत्र में भेंट-मुलाकात के दौरान दी अनेक विकास कार्यों की सौगात

लगभग 71 करोड़ से अधिक की राशि के विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास

कोरबा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कोरबा जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चिर्रा में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। श्री बघेल विधानसभा रामपुर क्षेत्र अंतर्गत लगभग 71 करोड़ 23 लाख से अधिक राशि के 65 विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया। जिसके अंतर्गत 44 करोड़ 33 लाख रूपये की राशि के 33 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 26 करोड़ 90 लाख रुपए से अधिक राशि के 32 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास शामिल हैं।

रामपुर विधानसभा क्षेत्र आगमन पर मुख्यमंत्री श्री बघेल क्षेत्रवासियों को सौगात देते हुए अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण किया। जिसके तहत लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कोरबा के अंतर्गत 28 करोड़ 28 लाख के चांपा गेवरा रेलमार्ग पर उरगा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण के 1 कार्य, लोक निर्माण विभाग कोरबा संभाग में 9 करोड़ 14 लाख 88 हजार के तिलाईडबरा से करतला रोड तक 2 कि.मी. लंबा सड़क निर्माण पुल-पुलिया सहित 4 कार्य, वन विभाग के अंतर्गत 2 करोड़ 24 लाख 93 हजार के 8 सड़क निर्माण कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के 8 कार्य हेतु 2 करोड़ 14 लाख 57 हजार, जनपद पंचायत करतला के अंतर्गत 1 करोड़ 81 लाख 91 हजार के 10 विभिन्न कार्य तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत 6 करोड़ 8 लाख 76 हजार के 2 कार्य शामिल हैं।

इसी प्रकार शिलान्यास एवं भूमिपूजन के कार्यों के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत 20 करोड़ 53 लाख 77 हजार के 22 कार्य, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल कंपनी मर्यादित कोरबा के 3 करोड़ 99 लाख 63 हजार के 2 कार्य, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संभाग कोरबा अंतर्गत 1 करोड़ 42 लाख 24 हजार के 2 कार्य तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 94 लाख 60 हजार के 6 कार्य शामिल हैं।

भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री निलंबित

बिलासपुर। बिलासपुर में रेप पीड़िता पर दबाव बनाने और उसकी मां की गिरफ्तारी के मामले में रतनपुर नगरपालिका के पार्षद व भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री हकीम मोहम्मद को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। मामले के तूल पकडऩे के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव रविवार रात पीड़ित के घर पहुंचकर आपबीती सुनी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। आम लोगों ने भी पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं एसपी संतोष सिंह ने रतनपुर टीआइ को लाइन अटैच कर एडिशनल एसपी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति भी बनाई है।

रतनपुर में जिस मामले में लोगों की नाराजगी फूटी उसमें पार्षद हकीम मोहम्मद रेप के आरोपी का सगा चाचा है साथ ही, उस बच्चे का सगा मामा है, जिससे यौन शोषण का आरोप लगाकर विधवा महिला के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई गई और बिना जांच के सीधे गिरफ्तार किया गया और जेल भेज दिया गया इसी नाराजगी पर रविवार को रतनपुर बंद का आह्वान किया गया था, लेकिन बाद में हकीम मोहम्मद ने अपनी दुकान भी खोली थी, जिसे लेकर विवाद हुआ था।

हकीम मोहम्मद को रविवार को ही भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत ने नोटिस दिया था और दूसरे दिन कार्रवाई की गई है। सात दिन में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पार्टी से निष्कासित करने की चेतावनी दी थी। रविवार की रात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत पीड़िता के घर गए थे। एसपी संतोष सिंह ने रतनपुर टीआइ को लाइन अटैच कर एडिशनल एसपी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति भी बनाई है।

जवानों को निशाना बनाने नक्सलियों ने लगाया पांच किलो का आईईडी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार सुबह सर्चिंग के दौरान पांच किलो का आइईडी बरामद किया है। उसे बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया। जहां पर विस्फोटक बरामद हुआ है, इस सड़क मार्ग पर कई नक्सली वारदातें भी हो चुकी है। हाल ही में नक्सलियों ने इसी सड़क पर एक यात्री बस को आग के हवाले कर दिया था।

दो जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा बटालियन के दो जवान घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ में दो से तीन नक्सलियों के भी घायल होने संभावना है। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले पुसनार और हिरोली गांव के बीच सुरक्षाबलों को क्षति पहुंचाने के लिए माओवादियों ने बारूदी सुरंग बिछायी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सूचना के बाद रविवार को पुसनार शिविर से जिला रिजर्व बल (डीआरजी) और कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को गश्त पर रवाना किया गया था।

रमन राज में 17 हजार गायों की हत्या हुई: सुशील

■ **1677 करोड़ रू. का गौशाला के नाम पर घोटाला किया - सुशील**

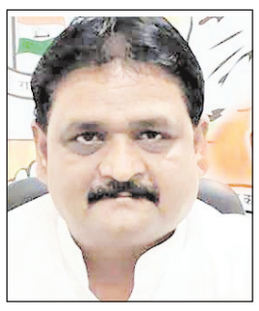

रायपुर। राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूरे देश में छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार देश की अकेली सरकार है जो गौसेवा के लिये गांव के गोधन एवं अन्य पशुओं के लिये गोठान बना कर गोसेवा कर रही है तो भाजपा को इसमें भी पीड़ा हो रही। भाजपा गोठानों को बदनाम करने के लिये अभियान चला रही जबकि गोठानों और गोधन न्याय योजना की तारीफपूरे देश में हो रही। भाजपा गोठानों में भ्रष्टाचार की बात कर अपनी खीझ निकाल रही है। भाजपा को गोठान और गौशाला के बीच का मूल फर्क ही नहीं मालूम। गोठान छत्तीसगढ़ की वर्षों की पुरातन परंपरा है, हमारी सरकार ने गांवों के उसी गोठान को संवारने का काम किया है।रमन राज में गौशालाओं के नाम पर 1677.67 करोड़ रू. भाजपाईयों ने गौशाला के नाम पर डकारा। रमन राज में 15 साल में 17000 से अधिक गायों की मौतें भूख से, बिना चारा पानी के तड़प कर हुई।साथियों वह वीभत्स मंजर आज भी जब याद आता है तो सिहरनसी उठती है एक कमरे में 58 गायों को भरा गया था जब दरवाजा खोला गया तो दरवाजे के साथ मृत गायें गिर कर बाहर आई। भाजपा नेता की गौशाला में मछली पालन का तालाब बनाया गया था, जिसमें गायों के मांस का उपयोग गाय के चारे के रूप में होता था। गायों के चमड़े और हड्डी का व्यापार करने के लिये गायों को भूखा रख कर मारा जाता था। 15 साल में गौशाला के नाम से भाजपा नेताओं ने गौमाता का अनुदान को खाया, गौशाला के नाम से सरकारी जमीनों को आवंटित कर निजी उपयोग किया। आज गोधन के संरक्षण की बेहतर व्यवस्था हो रही तो इनको पीड़ा हो रही है। 15 साल तक गौशालाओं को प्रतिदिन आहार के नाम पर 115 गौशालाओं को प्रतिदिन 28 लाख 75 हजार रु. से अधिक राशि दिया जाता था। इसकी कुल राशि होती है एक साल में 1 अरब 4 करोड़ 93 लाख 75 हजार, 15 साल में 1560 करोड़ का गौशालाओं में चारा के नाम पर दिया गया। 20 हजार रु. पशुओं की दवाइयों के लिए हर माह दिया जाता था प्रत्येक गौशाला को एक साल में 2 लाख 40 हजार रुपया दिया गया। 115 गोशाला को एक साल दवाई के नाम से 2 करोड़ 76 लाख रु. 15 साल में 41.5 करोड़ रु. के करीब दिया गया। शेड निर्माण, बोरवेल, बिजली व्यवस्था के अलावा अन्य खर्चों के नाम से 76 करोड़ रू. बंदरबांट किया। गौशाला को लगभग 5 से 10 एकड़ सरकारी जमीन आवंटित किया गया। 15 साल में लगभग 1000 एकड़ से अधिक के जमीन, भाजपा नेताओं ने गौशाला के नाम से लिया और उसका निजी उपयोग किया। रमन सिंह के 15 सालों में गायों की सेवा के नाम पर भाजपा और आरएसएस के लोगों ने गायों को भूखा रख कर अपना पेट भरा, भाजपा राज में 17000 से अधिक गायों की मौतें हुई थी जिसके लिये हमने विपक्ष में रहते आंदोलन किया था।दुर्ग जिले धमधा के राजपुर की गौशाला में गायें चारे-पानी के अभाव में भूखे मर गयी। दुर्ग के दशरंगपुर गौशाला में सैकड़ों गाय मृत पायी गयी थी, हरीश वर्मा के रिश्तेदारों की दो अन्य गौशालाएं में भी जहां गायें मृत पायी गयी थी। कांकेर के कर्रामाड़ में इलाज, चारा, दाना के अभाव में से गायों की मौत हुयी थी। दुर्गकोंडल में गाय की मौत। रायगढ़ स्थित चक्रधर गौशाला में गायों की मौत। कर्रामाड़ में गायों की मौत। धमतरी जिला की गौशाला में गाय की मौत। गरियाबंद की गौशाला में, महासमुंद बागबाहरा गौशाला में गाय मरी। इन गौशालाओं में गायों की मौतों के मामलो में कांग्रेसजनों ने विपक्ष में रहते आंदोलन भी किया था।

जिला भाजपा कार्यसमिति बैठक में पहुंचे विधानसभा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल

रायपुर। भाजपा जिला कार्यालय सक्ती में जिलाध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि वक्ता विधानसभा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल की आतिथ्य में हुआ भाजपा का कामकाजी बैठक भारतमता के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर अतिथियों का स्वागत किया गया पश्चात जिला अध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा ने पार्टी द्वारा दिए गए कार्यों की समीक्षा की एवम प्रदेश से आए कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि प्रदेश नेतृत्व के अनुसार केंद्र में मोदी सरकार के सफल 9 साल पूरे होने पर सक्ती के तीनों विधानसभा सक्ती जैजैपुर चंद्रपुर में भाजपा महा जनसंपर्क अभियान चलाएगी यह अभियान 30 मई से शुरू होगा जो 30 जून तक चलेगा इस पूरे 1 महीने में बीजेपी के कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि घर-घर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किए कामों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे शक्ति के बीजेपी कार्यालय में भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में रणनीति बनाई गई।

अतिथि वक्ता नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने इस महा संपर्क अभियान के विषय पर कहा कि प्रदेश संगठन से मिले निर्देशानुसार विभिन्न कार्यक्रम सभी जिला मंडल शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर आयोजित किया जाएगा जिसमें व्यापक जनसंपर्क लाभार्थी संपर्क समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से संपर्क सहित घर-घर में पहुंचकर मोदी सरकार की नीतियों को और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना है साथ ही उन्होंने कहा गौठान में व्यापक भ्रष्टाचार हो रहे हैं गोठानो में एक भी गाय नहीं है परंतु कांग्रेस की भूपेश सरकार द्वारा बाहर मीडिया में गोठानो की उपलब्धि प्रचारित किया जा रहा है जबकि गोठान एक भी गाय नहीं है नही वहा पानी चारा कुछ भी नही है यह तक की वर्मी कंपोस्ट खाद में गोबर और मिट्टी मिला हुआ है जिसे किसानों को अधिक दामों पर लेने को मजबूर किया जा रहा हैं।

चलबो गोठान खोलबो पोल की तर्ज पर हम सभी को गोठानो में जाकर इस भूपेश सरकार का पोल खोलना है साथ ही कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की भूपेश सरकार भ्रष्टाचार में पूरी सीमा लांच चुकी है ईडी ने भूपेश बघेल के 2000 करोड़ का शराब घोटाला उजागर किया है जिसको ईडी ने उजागर कर बताया है साथ ही 13 00 करोड़ का गोठान घोटाला किया गया है यह भूपेश सरकार भ्रष्टाचार की सरकार है इस सरकार को आने वाले चुनाव में उखाड़ फेंकना है इसके लिए हम सभी को अभी से तैयार होकर छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी भूपेश सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ना है इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश पदाधिकारी,प्रदेश कार्यसमिती सदस्य विशेष आमंत्रित सदस्य जिला सक्ती के जिलाध्यक्ष उपाध्यक्ष जिला के महामंत्री मीडिया प्रभारी सह प्रभारी आई टी सेल सोशल मीडिया कोषाध्यक्ष कार्यालय प्रभारी सहप्रभारी सक्ती जैजैपुर चंद्रपुर विधानसभा के मंडलों के अध्यक्ष उपाध्यक्ष महामंत्री मोर्चा अध्यक्ष महामंत्री, प्रकोष्ठ के संयोजक, सहसंयोजक, महामंत्री, एवम जिला कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहे।

टाटानगर-इतवारी, बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस 24 मई को रहेगी रद्द

रायपुर। रायपुर रेल मंडल में ब्लॉक के बाद अब चक्रधरपुर रेल मंडल में ब्लॉक लगने वाला है। इसके चलते टाटानगर-इतवारी-टाटानगर और बिलासपुर से टाटानगर के बीच चलने वाली कुछ यात्री ट्रेनों को रद्द किया जाएगा। इसके अलावा लंबी दूरी की कुछ ट्रेनों को नियंत्रित करते हुए चलाया जाएगा। रेलवे सूत्रों ने बताया कि 24 मई बुधवार से चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले कांसबहाल-राजगांगपुर रेलवे स्टेशनों के बीच सब वे लॉचिंग का काम होना है। इसके चलते 24 मई को टाटानगर एवं इतवारी के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस और टाटानगर-बिलासपुर के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों को दोनों ओर से रद्द कर दिया गया है। वहीं 23 मई से एलटीटी से चलने वाली कामाख्या एक्सप्रेस को नियंत्रित करते हुए 7 घंटे की देरी से रवाना किया जाएगा। वहीं योगनगरी ऋषिकेश से चलने वाली कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस को 3 घंटे 45 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। दूसरी ओर दुर्ग से साउथ बिहार एक्सप्रेस, राजेंद्र नगर से रवाना होकर राउरकेला तक चलेगी।

सिलेंडर में आग लगने से ठेला जलकर खाक

■ **आसपास की दुकानें भी चपेट में आईं, जान बचाकर भागे लोग**

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में सोमवार को एक चाय दुकान में रखे सिलेंडर में आग लगने से एक ठेला जलकर खाक हो गया। वहीं आग ने आसपास खड़े ठेलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान वहां नाश्ता कर रहे लोग जान बचाकर भागे। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई है। हादसा अकलतरा थाना क्षेत्र में क्रोकोडाइल पार्क के सामने हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, कोटमी सोनार स्थित क्रोकोडायल पार्क के सामने लगे चाय के ठेले पर रखे सिलेंडर से सोमवार सुबह करीब 11 बजे गैस का रिसाव होने लगा।

दुकानदार ने गैस रिसाव को रोकने का प्रयास नहीं किया, इसके चलते अचानक से सिलेंडर में आग लग गई। थोड़ी ही देर में आग ने पूरे ठेले को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान वहां नाश्ता कर रहे लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। आग ने आसपास खड़े दो ठेलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है।

भाजपा वालों को गौशाला और गोठान में अंतर समझ में नहीं आता: बघेल

■ **मुख्यमंत्री ने भाजपा पर कसा तंज, बोले- हर जगह भ्रष्टाचार दिख रहा**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा हर दिन गोठानों का दौरा करके गोठान की पोल खोलने में लगी है। भाजपा नेता प्रतिदिन एक गोठान का निरीक्षण करके वहां की खामियों को गिना रहे हैं। गोठान में अनियमितता को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इस मामले में प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को गौशाला और गोठान में अंतर समझ में नहीं आ रहा है। दूसरी बात यह है कि बड़ी-बड़ी गाड़ियों में घूमने वाले, गाड़ियों में विदेशी कुत्ता घूमाने वाले गाय और गरवा के बारे में क्या समझेंगे। जब विधानसभा चुनाव नजदीक आ गया है, तब गोठान का दौरा कर रहे हैं, उससे पहले क्यों नहीं गए?

सीएम ने कहा कि भाजपा वाले गोठान जा रहे हैं, तो ये अच्छी बात है, लेकिन उन्हें अच्छे सुझाव भी देना चाहिए। जिस पर अमल किया जा सके। कुछ कमी है तो उसे सुधारा जा सकें। उन्होंने कहा कि केवल एक दिन गोढ़ी के गोठान जाकर बता दिया कि 13 करोड़ का घोटाला हो गया। अपनी बनी बनाई स्क्रिप्ट पर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कर लिया।

सीएम भूपेश ने कहा कि हाल ही में मध्य प्रदेश गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रदेश दौरे पर आए थे, वो तारीफ करके गए हैं। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री और सांसदों की टीम भी तारीफ करके जा चुकी है। गुजरात की टीम भी आई थी। कई विधानसभा की टीम आई थी , जो अध्ययन करके चली गई पर बीजेपी वालों को हर जगह भ्रष्टाचार नजर आ रहा है।

सीएम ने ट्वीट कर कहा कि बिल्कुल ठीक कहा है। भाजपा आदिवासियों का अपमान करती है। यह जग जाहिर है। विश्व आदिवासी दिवस के दिन इन्होंने छत्तीसगढ़ भाजपा के आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष को हटाया था, फिर भाजपा के सर्वोच्च आदिवासी नेता नंद कुमार साय का अपमान किया। राज्यपाल आदिवासी वर्ग से आती हैं, प्रथम नागरिक हैं वह देश की, देश के लिए यह गौरव का पल होगा। क्या प्रधानमंत्री जी ऐसा करने देंगे?

उन्होंने अगले ट्वीट में कहा कि विनर-विनर कमीशन डिनर यह पिछली सरकार करती थी। दो सरकारों का अंतर देखिए-

भरोसे की कांग्रेस सरकार- हमारी सरकार सभी के खाते में सीधा पैसा डाल रही है, तो कमीशनखोर भाजपा सरकार- चप्पल, टिफ़िन, मोबाइल बांटती थी और सबमें कमीशन खाती थी।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर बड़ा बयान दिया है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, पीएम के दौरों से क्या कूटनीतिक लाभ हुआ ये बताएं। पैर पडऩा, गले मिलना, आटोग्राफ लेना तो शिष्टाचार है। इससे लाभ क्या हुआ देश को इसका जवाब मिलना चाहिए। सीएम श्री बघेल सोमवार को कोरबा जिले के दौरे से पहले मीडिया से यह बात कही। इधर दिल्ली में सुको के आदेश के बाद केंद्र ने अध्यादेश लाया। इस मामले में मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, मैं तकनीकी पक्ष का अध्ययन करूंगा फिर कुछ कहूंगा। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ कहा, तो उसका सम्मान करना चाहिए।

प्रदेश में गोठान घोटाले की पोल खुलीः भाजपा

गोठान घोटाला सामने आने से कांग्रेस की विश्वनीयता खत्म : अरुण साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा द्वारा केंद्रीय योजनाओं के धन और पंचायतों का हक मारकर गोठान के नाम पर हुए 1300 करोड़ के घोटाले का पर्दाफाश करने चलाये गए चलबो गोठान, खोलबो पोल अभियान में राज्य भर में भाजपा नेता गोठान पहुंचे और भारी भ्रष्टाचार उजागर किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव मुंगेली जिले के गोठान पहुंचे। गोठान में पूरी तरफ केवल और केवल अव्यवस्था नजर आई। श्री साव ने ग्रामीणों से जानकारी लेने के बाद कहा कि भूपेश बघेल सरकार ने गायों के नाम पर भी भ्रष्टाचार करने का पाप करने में कोई संकोच नहीं किया। भूपेश बघेल सरकार की घोटालेबाजी की पोल खोलने भाजपा गोठानों तक पहुंची है और 1300 करोड़ का आरंभिक घोटाला सामने आया है तो भूपेश बघेल के पैरों तले की जमीन खिसक गई है। वे आपा खो बैठे हैं। भ्रष्टाचार उजागर करने पर भाजपा को कोस रहे हैं। अब इससे कुछ नहीं होगा जनता सच जान चुकी है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जांजगीर चांपा जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत रोगदा, विकासखंड नवागढ़ के गौठान में निरीक्षण करने पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने गोठानों की हालत देखने और ग्रामीणों से जानकारी लेने के बाद कहा कि भूपेश बघेल सरकार बड़े बड़े वादे करके सत्ता में आई। वादों को खूंटी पर टांगकर भ्रष्टाचार करके कांग्रेस के मालिकों के लिए उगाही करने में लग गई। केंद्रीय योजनाओं का पैसा जनता के काम में लगाने की जगह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। पंचायतों का हक खा गए, गरीब का मकान छीन लिया, गरीब का अन्न तक खा गए। इसीलिए इनके जनघोषणा वीर सिंहदेव ने पंचायत मंत्री का पद छोड़ दिया और अब चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे।

विधायक, पूर्व मंत्री व प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर मगरलोड विकासखण्ड के अरौद, परसट्टी और मोतिमपुर गांव के गौठान पहुंचे। श्री चंद्राकर ने बड़ी गड़बड़ी पकड़ी उन्होंने कहा कि गोठानों के नाम पर करोडों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। इस योजना के लिये राज्य सरकार की कोई राशि आबंटित नहीं हुई। भूपेश बघेल सरकार केंद्र के पंद्रह वित्त आयोग के पैसे का, पंचायतों का हक मारकर डकैती कर रही है। ग्रामीणों के बीच देखा गया कि अरौद के गोठान में सत्तर हजार का गेट ही गायब है। पानी, चारा, पैरा कुछ भी नहीं है। मोतिमपुर गौठान अतिक्रमण का शिकार है। शराबी और असामाजिक तत्वों का अड्डा बना है। महिलाओं ने जिसका उग्र होकर विरोध किया। गोबर खरीबी बंद है। भुगतान का भी कोई ठिकाना नहीं है। इसके बाद परसट्टी के गौठान में भी लापरवाही देख चंद्राकर ने एक अधिकारी को लताड़ लगायी।

जगदलपुर जिले में चलबो गौठान, खोलबो पोल अभियान में बस्तर संभाग प्रभारी सांसद संतोष पांडेय, प्रदेश भाजपा महामंत्री, पूर्व मंत्री केदार कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, पूर्व विधायक संतोष बाफना, श्रीनिवास राव मद्दी, रूप सिंह मांडवी, कमल चंद भंजदेव, बैदुराम कश्यप, सुभाउ राम कश्यप, मनीराम कश्यप (जिला पंचायत उपाध्यक्ष), योगेन्द्र पांडेय, रामाश्रय सिंहशामिल हुए। सुकमा जिले में हुंगा राम मरकाम, धनीराम बारसे, दंतेवाड़ा जिले में नंदलाल मुडामी, चैतराम अट्टामी, ओजस्वी मंडावी आआदि नेता शामिल हुए। मंदिर हसौद मंडल अंतर्गत नरदहा गौठान, पचेड़ा गौठान, कुरूद गौठान,दरबा गौठान में प्रदेश भाजपा कार्यलय मंत्री नरेशचंद्र गुप्ता, भाजपा प्रवक्ता नलीनिश ठोकने, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिमेश कश्यप, उमेश घोरमोड़े, आलोक मेंढी, मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, महामंत्री नामती यादव, विनोद कुमार साहू, संगीता यादव, जागृति बंजारे, सागर पटेल, यशोदा धीवर सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्थानीय लोगों से चर्चा में गौवंश संरक्षण के नाम पर घोर भ्रष्टाचार एवं अनियमितताएं सामने आईं। गौठान पर स्थानीय लोगों का आक्रोश दिखा। निरीक्षण के दौरान प्रदेश प्रवक्ता दीपक महस्के , कार्यसमिति सदस्य गुलाब टिकरिया, गणेश शंकर मिश्र, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक सोमेश चंद्र पांडेय, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र ठाकुर, महामंत्री घनश्याम चंद्राकर, दुलेश साहू, कार्यक्रम संयोजक शिवशंकर वर्मा , बबलू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सरगुजा संभाग में पूर्व सांसद विष्णुदेव साय, रामविचार नेताम, पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, पूर्व मंत्री भैया लाल रजवाड़े, सांसद गोमती साय ने गोठान घोटालेबाजी का मुआयना किया। रायपुर सम्भाग के कुरूद में अजय चंद्राकर,धमतरी में महेंद्र पंडित, राजीव पांडे, पिंकी शाह, नेहरू निषाद, कवींद्र जैन, प्रीतीश गांधी, रानू रोहरा, प्रकाश बैस, भाटापारा शहर मंडल में शिवरतन शर्मा, केदारनाथ गुप्ता राकेश तिवारी ने अभियान में हिस्सा लिया।

बलौदाबाजार भाटापारा जिला में कृष्णा अवस्थी, धनंजय साहू, योगेश वर्मा, मनोज यादव, डोमन वर्मा, सुहेला मंडल में नरेश केशरवानी, श्रीमती नीलम सोनी, श्रीमती अदिति बघमार, शिव कटारिया, सुरेंद्र टिकरिहा, गिरधारी वर्मा, प्रशांत यादव सुरेंद्र पाटनी, यशवर्धन वर्मा, योगेश चंद्राकर, नंद बर्मा, श्याम बाई साहु तेजराम वर्मा महेंद्र साहु आदि शामिल हुए। कसडोल में टेसुलाल धुरंधर, कृष्ण कुमार पटेल धनीराम साहु अजय राव शशि भूषण शुक्ल छत राम साहु डॉ. सनम जांगड़े भगत नायक पुनी राम पटेल देवानंद नायक शामिल हुए। बलौदाबाजार में लक्ष्मी वर्मा ने गोठानों की दुर्दशा देखी। रायगढ़ में प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी, सौरव सिंह,बिलासपुर जिला में अमर अग्रवाल, भूपेन्द्र सवन्नी, रामदेव कुमावत सुशांत बृजेन्द्र शुक्ला हर्षिता पांडेय गोठान पहुंचे।

गौठान के नाम पर करोडों रुपए का भ्रष्टाचारः अजय चंद्राकर

रायपुर। भाजपा के विधायक ,पूर्व मंत्री, मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर मगरलोड विकासखण्ड के अरौद, परसट्टी और मोतिमपुर गांव के गौठान पहुंचे। चलबो गौठान खोलबो पोल अभियान पर अजय चंद्राकर ने बड़ी गड़बड़ी पकड़ी उन्होंने कहा कि गौठान के नाम पर करोडों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है इस योजना के लिये कोई राशि आबंटित नही हुई केंद्र के पंद्रह वित्त आयोग के पैसे का, पंचायतो का हक मारकर डकैती कर रही है ये सरकार। आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार की फ्लैगशिप योजना गौठान अभियान के खिलाफ भाजपा ने मोर्चा खोला हुआ है। ग्रामीणों के बीच देखा गया कि अरौद के गोठान में सत्तर हजार का गेट ही गायब है, पॉनी चारा पैरा कुछ भी नही है वही मोतिमपुर गौठान अतिक्रमण का शिकार है शराबी और असमाजिक तत्वों का अड्डा बना है महिलाओं ने जिसका उग्र होकर विरोध किया। गोबर खरीबी बंद है उनके भुगतान का भी कोई ठीकाना नही है इसके बाद परसट्टी के गौठान में भी लापरवाही देख चंद्राकर नें एक अधिकारी को लताड़ लगायी।

भूपेश की लीपापोती भी छिपा नहीं सकी गौठान का घोटाला : भाजपा

- **कांग्रेसी ठेकेदारों के हाथों में गोठान का संचालन : जयंती पटेल**

रायपुर। भाजपा रायपुर जिला एवं तात्यापारा मंडल द्वारा आज अटारी जरवाय स्थित गोठानों का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का आंकलन किया और तथ्यात्मक अनियमितताएं उजागर किए। गांव के लोगों से चर्चा कर गोठानों की स्थिति के बारे में जाना। भाजपा जिलाध्यक्ष जयंती पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के चलबो गोठान खोलबो पोल अभियान को देखते हुए कांग्रेस सरकार का पूरा अमला झोंक दिए जाने के बावजूद सरकार के लोग अनियमितताओं को दूर नहीं कर सकें। अटारी गोठानों में छाव और पानी के अभाव में चिलचिलाती धूप में गौ माताएं व्याकूल अवस्था में दिखाई दिए वे गोठानों में रहने के बजाय बाहर रहने में ज्यादा सहूलियत महसूस कर रही थी ऐसा दिखाई दिया। गायों के लिए न चारा था, न पानी की समूचित व्यवस्था आनन-फानन में जो चारा डाला भी गया था वह गोबर और मिट्टी से सना हुआ था जिसे गौ माताएं खाना भी पसंद नहीं कर रही थी। भूपेश सरकार के लाख लीपापोती के बावजूद भी गोठानों में खामियां ढग नहीं पाई।

गर्मी में गाय को हिल स्टेशन भेजती है क्या भूपेश सरकार

- **मुख्यमंत्री के गर्मी में मवेशी गोठान में नही रहते वाले बयान पर बोले अरुण साव**

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान कि भाजपा को पता नही गर्मी में मवेशी गोठान में नही रहते पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने पूछा तो क्या कांग्रेस गर्मी में गाय को हिल स्टेशन भेज देती है।श्री साव ने कहा मुख्यमंत्री ने आखिरकार अपने बयान से स्वीकार किया कि गोठान में गाय नहीं है मुख्यमंत्री ने अंततः स्वीकार कर लिया कि उन्होंने गोठान में बड़े पैमाने पर घोटाला किया है।श्री साव ने कहा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा यह कहना कि गर्मी में गोठान में गाय नहीं रहती अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि भाजपा घोटाले के जो भी आरोप लगा रही है वह सही है और मुख्यमंत्री ने भी उसे स्वीकार किया हैगाय अगर गोठान में नहीं रहती है तो क्या इन्होंने जो 1300 करोड़ के घोटाले किए हैंएम वह सारे पैसे केवल जाड़े के लिए प्रावधान किया था क्या? उन्होंने कहा अगर गाय नहीं रहती है तो क्या भूपेश बघेल मानते हैं कि गर्मी में खरीदे गए गोबर में उन्होंने बड़े पैमाने पर घोटाला किया है ।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

नोटबंदी के साइड इफेक्ट

सन 2016 के बाद एक बार फिर आखिर नोट हजार के नोट बंद हुए थे, इस बार दो हजार के नोट बंद कर दिए गए। एक हजार के नोट बंद करके दो हजार के नोट जारी किए गए थे। व्यक्तिगत तौर पर देखें तो उस समय सरकार का निर्णय मुझे कुछ अजीब लगा था। क्योंकि जितने नोट बैंकों में जमा हुए, लगभग उतने नोट देश में पहले से ही उपलब्ध थे। कहीं कोई काला धन समझ में नहीं आया। लेकिन इस बार की नोटबंदी-2 के बाद सही मायने में समझ में आएगा कि देश में धनिकों ने कितना काला धन जमा करके रखा हुआ था । इस बार की नोटबंदी को लेकर आमआदमी बिल्कुल चिंतित नहीं है। वह बैंकों के चक्कर नहीं लगाएगा। हाँ, जो सेठ साहूकार है, उनके पास दो हजार के नोटों की गड्डियां भरी पड़ी हैं, उनके सामने चिंता होगी कि कैसे उसे वापस किया जाए क्योंकि आरबीआई ने नियम यही बनाया है कि एक बार में सिर्फ दस नोट ही जमा हो सकेंगे। यानी बीस हजार। अब जिनके पास दो हजार की अनेक गड्डियाँ हैं, वे बेचारे कितने दिनों तक अपने किसी मातहत को भेज करके नोट जमा करवाएंगे। सौ की एक गड्डी जमा करने में दस दिन लगेंगे। बेचारे रोज दो हजार के दस-दस नोट जमा करते-करते थक जाएंगे। ऐसे ही लोग सरकार को कह रहे हैं कि तुगलकी फरमान है। जबकि यह कोई तुगलकी फरमान नही है। दरअसल दो हजार के नोटों के चलन की स्थिति को देखकर निर्णय लिया गया, क्योंकि धीरे-धीरे ये नोट चलन से बाहर होते गए थे। आरबीआई ने 2018 के बाद से छापना भी बंद कर दिया था। आरबीआई ने उसी समय संकेत दे दिया था कि दो हजार के नोट चार पांच साल तक की चलन में रहेंगे। एटीएम से भी पैसे निकालते वक्त दो हजार के नोट निकलते नहीं थे। पाँच सौ या सौ-दो सौ के निकला करते थे। लेकिन अब ये नोट एटीएम से नहीं,नंबर दो की कमाई करने वालों के "पेटीएम" से यानी पेट से; यानी तिजोरी से निकलेंगे। इस समय देश का सारा काला धन या तो सत्ता में बैठे कुछ भ्रष्ट जनप्रतिनिधियों के पास है या भ्रष्ट अफसरों के पास है। व्यापारी तो व्यापारी होते हैं। व्यवसाय करते हैं, तो स्वाभाविक तौर पर उनके पास दौलत जमा होती है, मगर अनेक भ्रष्ट अफसर तो सिर्फ नौकरी करते हैं। उसके एवज में उनको वेतन मिलता है, मगर ये पापी करोड़ों-अरबों कहां से जमा करत लेते हैं? ऐसे पापियों को ही बड़ी तकलीफ होगी। कुछ मंत्री, विधायको या नेताओं को भी होगी। इसीलिए उन सब को यह तुगलकी फरमान लग रहा है। जबकि सबको पता था कि आज नहीं तो कल दो हजार के नोट बंद होंगे ही। इसलिए आम लोग खुश हैं कि अब दबा हुआ काला धन निकलेगा। या फिर अंततः रद्दी कागज की तरह जलाया जाएगा। नोटबन्दी-2 के इस निर्णय से, मुझे लगता है कि केंद्र सरकार की साख गिरी नहीं, और बढ़ी है। उसने बहुत सही समय पर फैसला लिया है। कुछ महीने बाद कुछ राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। अगले साल लोकसभा का चुनाव। अफ़सोस ये नोट अब काम मे नहीं आएंगे। इसलिए उनको बड़ा झटका लगेगा जिन्होंने अपने तहखानों में गड्डियाँ-ही-गड्डियाँ जमा कर रखी थी। बहरहाल, विनोद में एक बात कहूँगा कि अब सरकार को चाहिए कि वह एक हजार के नोट को वापस लाए और उसका कलर गुलाबी कर दे। ताकि लोगों को दो हजार के नोट की फीलिंग तो होती रहे। लेकिन गम्भीरता के साथ यह सुझाव भी है कि अब जो निर्णय करे, सोच विचार कर करे। बार-बार अपनी मुद्राओं के साथ प्रयोग उचित नहीं। हालांकि दो हजार के नोट बंद करने का साइड इफेक्ट अब शायद यह होगा कि लोग घरों में पाँच सौ रुपये के नोट भी जमा कर कर के रखने की आदत से बाज आएंगे, अब लगभग सारा धन उनका बैंकों में ही जमा होगा।इस डर से कि क्या पता कल को अचानक पाँच सौ के नोट को भी बंद करने की घोषणा हो जाए। हालांकि शायद ऐसा न हो, पर सरकार तो सरकार है, और मोदी हैं, तो कुछ भी मुमकिन है!

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

फ्लैगशिप योजनाओं का जमीनी स्तर पर हो बेहतर क्रियान्वयन :लखमा

रायपुर। उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा ने बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक में कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन से अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिलेगा। श्री लखमा आज जिला मुख्यालय सुकमा में बस्तर विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। जिला पंचायत सुकमा के सभाकक्षा में आयोजित बैठक में उद्योग मंत्री श्री लखमा ने कहा कि सुकमा जिला प्रशासन की बेहतर मॉनिटरिंग के कारण जिले में दसवीं और बारहवीं परीक्षा का रिजल्ट बेहतर रहा है। इसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिला अस्पताल को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। बैठक में विधानसभा उपाध्यक्ष श्री संतराम नेताम ने भी संबोधित कर विकास कार्यों में गति देने और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय सुकमा में पहली बार बस्तर विकास विकास प्राधिकरण की बैठक आहूत की गई। इस बैठक में बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लकेश्वर बघेल, उपाध्यक्ष श्री विक्रम मंडावी संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बस्तर संभाग के कमिश्नर तथा जिलों से आये कलेक्टर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कुत्ते के बहाने राहुल पर निशाना साध रहे हैं बघेल : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुनील सोनी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं की गाड़ियों में कुत्ते घूमते हैं। सांसद श्री सोनी ने कहा कि लगता है, मुख्यमंत्री बघेल अब राहुल गांधी की 'गुड बुक' में नहीं रह गए हैं और भाजपा के बहाने वे अब राहुल गांधी पर तंज कसने लगे हैं। भाजपा सांसद श्री सोनी ने कहा कि उक्त बयान में मुख्यमंत्री बघेल का इशारा राहुल गांधी की तरफ प्रतीत हो रहा है। राहुल गांधी के बारे में यह जगजाहिर है कि वे कुत्तों से ज्यादा प्रेम करते हैं। श्री सोनी ने कहा कि राहुल गांधी से मिलने जब भी कांग्रेस के नेता जाते थे, तो राहुल बातों में कम, कुत्तों को बिस्किट खिलाने में ज्यादा रुचि लेते थे। असम के मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने इसी से क्षुब्ध होकर कांग्रेस छोड़ दी थी। सांसद श्री सोनी ने जानना चाहा है कि क्या मुख्यमंत्री बघेल भी कुत्ता-प्रेम के चलते ही तो नहीं ऐसी पीड़ा झेल रहे हैं? वैसे मुख्यमंत्री बघेल अपने आकाओं की चरण वंदना में पहले भी अपमान का घूंट पी चुके हैं, लेकिन लगता है कि इस बार उनकी पीर पर्वत-सी पिघल चुकी है और अपने ही नेता पर ताना मारने के लिए उन्हें भाजपा की आड़ लेनी पड़ी है।

राजीव गांधी के बारे में गलत ट्वीट, रिपोर्ट लिखाने थाना पहुंचे कांग्रेसजन

रायपुर। स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के दिन शिवम त्यागी के द्वारा अपने ट्विटर अकाउंट में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी के बारे में अनर्गल टिप्पणी किए जाने के विरोध में जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे के नेतृत्व में देर रात सिविल लाइन थाने पहुंचे शिवम त्यागी नामक व्यक्ति के द्वारा अपने ट्विटर अकाउंट से की गई पोस्ट की छाया प्रति को लेकर शिवम त्यागी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कराया गया और उनके खिलाफ आईटी एक्ट के तहत उचित कार्यवाही की मांग की गई शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जिन्होंने देश की सेवा करते करते अपनी शहादत दी उनके बारे में अनर्गल टिप्पणी किया जाना शिवम त्यागी की ओछी मानसिकता का व दिवालियापन का परिचायक है इस मौके पर शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे ब्लॉक अध्यक्ष नवीन चंद्राकरए पंकज मिश्राए कामरान अंसारीए बंटी होरा एजी श्रीनिवास एकमलेश नाथवाणीए सुयश शर्मा एयोगेश तिवारीए पंकज सिंह एईखलाख कुरैशी जित्तू तांडीएआमिर खानए मुजीबए मोहम्मद फहीमए सहित बड़ी संख्या में कॉन्ग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ भुरे ने सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभाकक्ष में जनचौपाल के माध्यम से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों की विभिन्न मांग एवं समस्याओं को सुना। जन चौपाल में आज 50 से अधिक लोगो ने आवेदन दिए। इस अवसर पर नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश छिकारा, सहायक कलेक्टर जयंत नहाटा, अपर कलेक्टर श्री बी.बी.पंचभाई, एसडीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। आज जनचौपाल में अवंती विहार कॉलोनी निवास राजेन्द्र कुमार कोहाडे ने अपने मकान का नियमितीकरण कराने, रामनगर निवासी फुलेश्वरी यादव ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने, ग्राम सारागांव के भगवती सेन ने ऋण पुस्तिका बनवाने, ग्राम धनेली के अशोक सोनी ने अपनी भूमि पर आवास बनाने की अनुमति लेने, अभनपुर निवासी नारायण प्रसाद साहु ने अपने कृषि भूमि पर भू-स्वामी हक दर्ज कराने आवेदन दिया। इसी तरह आरंग के मंगतु राम साहू और तिहारू राम साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पं. दीनदयाल नगर निवासी के.पी. उपाध्याय ने पडोसी द्वारा अवैध निर्माण कर कब्जा करने की शिकायत, ग्राम पोड़ के आनंद कुमार ने अपनी भूमि का खसरा प्रदान करने, महामाया मंदिर वार्ड-65 की पार्षद सरिता वर्मा ने वार्ड में नियमित सफाई कराने, ग्राम देवपुरी के विवेकानंद भटट्राचार्य में क्षेत्र में नया विद्युत पोल लगवाने, अवैध अतिक्रमण हटवाने और पीने के पानी हेतु नया पाईपलाईन कनेक्शन देने, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश दिवान ने आवेदन दिया।

प्रधानमंत्री पर भूपेश बघेल का बयान भापर का अपमानःसंतोष

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद संतोष पाण्डेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की विदेश यात्राओं में उन्हें मिल रहे सम्मान पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा की गई टिप्पणी को भारत का अपमान बताया है। श्री पांडेय ने कहा कि प्रदेश की व्यवस्था को सम्हालने में बुरी तरह विफल, छत्तीसगढ़ को घपलों-घोटालों का गढ़ बना देने वाले बघेल अब अन्तरर्राष्ट्रीय राजनय के

विशेषज्ञ बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि बघेल अकेले ऐसे सीएम होंगे, जिन्हें विदेशों में भारत को मिल रहा सम्मान से भी कष्ट हो रहा है। श्री पाण्डेय ने कहा कि भारत का जो सम्मान पिछले 9 वर्षों में बढ़ा है, उसे कांग्रेस के लोग पचा नहीं पा रहे हैं। आज अमेरिका के राष्ट्रपति जब प्रधानमंत्री मोदी जी का ऑटोग्राफ ले रहे हैं, तब उस कांग्रेस को कैसे रास आयेगा जिन्होंने अमेरिका के आगे घुटने टेकते हुए भोपाल गैस कांड के सरगना वारेन एंडरसन को मुख्यमंत्री के विमान से भेज दिया गया। मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के हजारों लोगों के हत्यारे एंडरसन को ससम्मान भारत का वापस भेज देने वाली कांग्रेस को आज भारत के बढ़ रहे सम्मान से तकलीफ तो होगी ही। सांसद श्री पाण्डेय ने कहा क एक वह समय था जब हम छोटी-छोटी तकनीकों के लिए, बीमारियों के टीके तक के लिए विदेशी सहायता पर आश्रित थे। लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में आज का भारत जब विश्व भर में भारतीय टीका का यश

मेरा गौठान मेरा अभिमान कार्यक्रम गोकुल नगर गौठान से शुरू

- **युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा द्वारा गौ माता की सेवा और श्रमदान किया**

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस द्वारा आज प्रदेश के 10,000 से अधिक गौठान में मेरा गौठान मेरा अभिमान की शुरुआत की गई प्रदेश अध्यक्ष अकाश शर्मा के नेतृत्व में आज रायपुर स्थित गोकुल नगर गौठान में जाकर इस अभियान की शुरुआत की गई इस अभियान के तहत युवा कांग्रेस 22 मई से 7 जून तक छत्तीसगढ़ के समस्त गौठान में जाकर इस अभियान को चलाएगी मेरा गौठान मेरा अभिमान के तहत आज राजधानी रायपुर में प्रदेश अध्यक्ष अकाश शर्मा द्वारा गौठान में हो रहे कार्यों का जायजा

लिया और साथ ही गठान के समिति के साथ मिलकर श्रमदान किया गया और गौ माता की सेवा की गई साथी गौठान में जो गोबर से उत्पन्न होने वाले वस्तुओं का निरीक्षण किया महिला सहायता समूह का सम्मान किया गया जो दिन-रात गौठान में गौ माता की सेवा कर रहे हैं साथ ही उन साथियों का भी सम्मान किया गया जो घूम घूम कर गौमाता को गठन में लाने का कार्य कर रहे हैं और उनकी उपचार की व्यवस्था कर रहे हैं आज इस कार्यक्रम में गौठान से संबंधित सभी कर्मचारियों महिलाओं उपचार कर रहे डॉक्टर का सम्मान यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अकाश शर्मा द्वारा किया गया आज इस अभियान में प्रदेश के प्रत्येक जिलों में यूथ कांग्रेस के साथियों ने जाकर इस अभियान की शुरुआत की साथ ही प्रदेश प्रभारी डॉ पलक वर्मा द्वारा रायगढ़ के संबलपुर गौठान जाकर इस कार्यक्रम की शुरुआत की।प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा की आज छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस पूरे प्रदेश में मेरा गौठान मेरा अभिमान कार्यक्रम की शुरुआत कर रही है यह कार्यक्रम 22 मई से 7 जून तक चलेगा आज हमने रायपुर के गोकुल नगर गौठान का जायजा लिया साथ ही गौठान में कार्यरत साथियों के साथ गौ माता की सेवा करते हुए श्रमदान भी किया और गौ माता की सेवा में दिन रात लगे हुए महिला सहायता समूह की माता और बहनों का हमने सम्मान किया आज से हम प्रदेश के 10 हजार से अधिक गौठान में जाकर मेरा गौठान मेरा अभिमान के तहत लगातार कार्य करेंगे आज आप सभी को बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि गोकुल नगर गठान में गोबर से बन रहे टाइल्स, चप्पल, सूटकेस आदि हम सभी ने देखा जिसको विदेश और देश के प्रत्येक प्रदेशों से इसकी मांग हो रही है और आज मुख्यमंत्री बघेल की यह महत्वकांक्षी योजना बेहद सफल साबित हो रही है।

बृजमोहन के समक्ष युवाओं ने किया भाजपा प्रवेश

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रवादी विचारधारा एवं विकासपरक सोच से प्रभावित होकर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल के समक्ष आज रायपुर के 41 युवाओं ने भाजपा प्रवेश किया। अपने निवास पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में श्री अग्रवाल ने पं.राजू महराज व संतोष सोनी के नेतृत्व में पहुंचे युवाओं को भगवा गमछा पहनाकर, मिठाई खिलाकर उनका भाजपा में अभिनंदन किया तथा शुभकामनाएं दी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.